उज्जैन
सोमवार
21
सितम्बर, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-318
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 ▸ गांधी प्रतिमा के नीचे पत्नी के साथ बैठे प्रहलाद पांडे, बोले- हटने तक नहीं उठेंगे
7 ▸ एशियन गेम्स में भारत को तीसरा मेडल, पुरुष टीम ने 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में सिल्वर जीता

शिक्षा, रोजगार और भर्ती परीक्षाओं के मुद्दों पर कांग्रेस की प्रदेशव्यापी मुहिम

'छात्रों की गूंज' अब हर जिले में जाएगी

पटवारी बोले–भाजपा को धन्यवाद, उसके विरोध से ही कार्यक्रम को पब्लिसिटी मिली

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस ने इसे प्रदेशव्यापी अभियान का रूप देने की घोषणा की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि इंदौर में युवाओं और छात्रों की भागीदारी ने शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती व्यवस्था से जुड़े सवालों को सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला दिया है। अब कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर प्रदेश के सभी जिलों में छात्रों और युवाओं के बीच जाएगी।

पटवारी ने कहा कि अभियान के दौरान विद्यार्थियों से सीधे संपर्क किया जाएगा, उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी और उन्हें सामने लाया जाएगा। उनके मुताबिक शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और युवाओं के भविष्य से सीधे जुड़ा सवाल है। उन्होंने सरकारी विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों, परीक्षा परिणामों में देरी और भर्ती परीक्षाओं को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा।

छात्र किस विचारधारा का है, यह नहीं–उसका सवाल महत्वपूर्ण

- पटवारी ने कहा कि किसी छात्र की राजनीतिक विचारधारा देखकर उसके सवालों को खारिज नहीं किया जाना चाहिए। छात्र कांग्रेस, भाजपा या किसी अन्य विचारधारा से जुड़ा हो अथवा किसी राजनीतिक संगठन से उसका संबंध न हो, यदि वह शिक्षा, हॉस्टल, भर्ती परीक्षा या रोजगार से जुड़ा वास्तविक सवाल उठा रहा है तो सरकार को उस पर जवाब देना चाहिए।
- उन्होंने व्यापम, पीएससी और पटवारी भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आई कथित अनियमितताओं का उल्लेख करते हुए सरकार से कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के रिक्त पदों और परीक्षा परिणामों में देरी जैसे मुद्दे भी उठाए।

भाजपा के विरोध पर पटवारी का तंज

कार्यक्रम के बाद हुई प्रेस वार्ता में पटवारी ने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि कार्यक्रम से पहले विरोध के होर्डिंग लगाए गए और आयोजन को लेकर विभिन्न स्तरों पर दबाव बनाने की कोशिश हुई। पटवारी ने कहा कि विरोध जितना हुआ, उससे कांग्रेस के कार्यक्रम को उतना ही प्रचार मिला। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि वे भाजपा को भी धन्यवाद देते हैं कि उसके कथित कुकर्मों से कार्यक्रम की पब्लिसिटी हुई। पटवारी ने यह भी कहा कि इंदौर संवाद और विचार की परंपरा वाला शहर है और राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर इस तरह का माहौल बनाना उचित नहीं है।
कार्यक्रम की अनुमति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कांग्रेस तथा प्रशासन–भाजपा के बीच पहले से मतभेद सामने आए थे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत कोचिंग सेंटर और हॉस्टल संचालकों से जुड़े कुछ निर्देश भी चर्चा में रहे थे।

कांग्रेस के लिए छात्रों के बीच पहुंच बढ़ाने की कवायद

अब छात्रों की गूंज को हर जिले तक ले जाने की घोषणा के साथ कांग्रेस ने शिक्षा और रोजगार के सवालों को लगातार उठाने की रणनीति सामने रखी है। पार्टी का कहना है कि कार्यकर्ता विद्यार्थियों और अभिभावकों से संपर्क करेंगे तथा उनकी समस्याओं को अभियान का हिस्सा बनाएंगे।
इंदौर के कार्यक्रम में छात्रों की समस्याओं के साथ–साथ राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप भी सामने आए। कुछ प्रतिभागियों की राजनीतिक संबद्धता को लेकर भाजपा की ओर से सवाल उठाए गए, जबकि कांग्रेस ने छात्रों द्वारा उठाए गए मुद्दों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि किसी सवाल की प्रासंगिकता पूछने वाले की राजनीतिक पहचान से तय नहीं होनी चाहिए।
अब कांग्रेस की कोशिश इन मुद्दों को इंदौर तक सीमित रखने के बजाय प्रदेश के अलग–अलग जिलों में ले जाने की है। इससे शिक्षा, भर्ती परीक्षाओं, रोजगार और छात्र सुरक्षा से जुड़े सवालों पर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक बहस आगे बढ़ने की संभावना है।

मोहन यादव जी, यह फॉर्मूला उज्जैन में लागू करते रहिए

पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर भी राजनीतिक तंज किया। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह के तरीके इंदौर में अपनाए जाएंगे तो कांग्रेस को ही प्रचार मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि ऐसा फॉर्मूला उज्जैन में लागू करते रहिए। पटवारी के बयान को छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच हुए राजनीतिक टकराव की पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है। कार्यक्रम से पहले आयोजन स्थल, अनुमति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दोनों पक्षों के बीच बयानबाजी हुई थी।

भाषा की ट्रोलिंग पर रश्मिका मंदाना ने दिया जवाब

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के दौरान अपने एक्सेंट और भाषा को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी एक भाषा में जरूरी नहीं कि बहुत अच्छी हों। उनका सफर अलग-अलग भाषाओं और किरदारों के हिसाब से लगातार ढलने का रहा है। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में रश्मिका ने कहा कि वह हर भाषा को अपनी भाषा मानती हैं। रश्मिका ने कहा, मैं कोडवा हूं और कोडवा तक्क बोलती हूं। मेरी मातृभाषा के लिए कोई फिल्म इंडस्ट्री नहीं है। इसलिए भाषा मेरे करियर में कभी रुकावट नहीं बनी। उन्होंने कहा, मैं सभी भाषाओं को अपनी भाषा मानती हूं। मेरे फैंस, जिन्हें मैं अपना परिवार कहती हूं, उन्होंने सबसे पहले मुझसे तेलुगु फिल्म करने को कहा था। रश्मिका ने बताया कि हिंदी को लेकर भी ऐसा ही हुआ। इसी तरह उनका करियर अलग-अलग भाषाओं में आगे बढ़ता गया। जब उनसे एक्सेंट को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि अलग तरह से बोलने को लेकर लोगों की राय सुनने की अब उन्हें आदत हो गई है।

देश

- **दिल्ली में** एसआईआर, 33 लाख वोटर्स को नोटिस, लिस्ट में चुनाव आयुक्त का नाम भी गलत, आडवाणी-जयशंकर भी शामिल, आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई
- **नितिन नवीन** बीजेपी की सोशल मीडिया वर्कशॉप में शामिल हुए, दावा- राहुल गांधी को जवाब देने और डिजिटल पहुंच बढ़ाने पर चर्चा
- **फर्जी पासपोर्ट** मामले में जांच का दायरा बढ़ा, ग्वालियर और बैतूल के 15 पासपोर्ट भी नसीम की कड़ी से जुड़े
- **आगरा में** गणेश पंडाल में दो गुटों में पथराव, भजन-कीर्तन कर रहे लोगों पर डंडे बरसाए, दौड़ाकर 2 हमलावरों को पकड़ा, इलाके में पुलिस तैनात
- **ललितपुर में** पुल डूबा, उन्नाव में नाव चल रही, बाराबंकी में गड्ढे में डूबने से 3 बच्चों की मौत, यूपी में 2 दिन बाद फिर बदलेगा मौसम
- **जम्मू-कश्मीर** के जंगल में छिपा घायल आतंकी, 5 जिलों में अलर्ट, 17 सितंबर के एनकाउंटर में दो मारे गए थे, एक की तलाश जारी

विदेश

- **रूस में** पुतिन समर्थक पार्टी की जीतः यूनाइटेड रशिया को शुरूआती गिनती में 57.5% वोट, 2021 में 450 में से 324 सीटें जीती थीं
- **रूस, इजराइल** और तुर्किये एशियन गेम्स में क्यों नहीं, तुर्किए की 97% और रूस की 75% जमीन एशिया में, तीनों देशों की अलग वजह
- **जेलेंस्की बोले-** अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में ट्रम्प से मुलाकात, यह रूस से युद्ध खत्म करने में अहम, इससे बहुत कुछ बदल सकता है
- **इमरान खान की बहन** लाहौर से गिरफ्तार, भाई की रिहाई के लिए प्रदर्शन करने वाली थीं, पूर्व पाकिस्तानी पीएम का कल जेल में मेडिकल हुआ

व्यापार

- **टाटा ट्रस्ट** ने चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने को गैरकानूनी बताया, कहा- बहुमत नहीं, डायरेक्टर्स की मंजूरी जरूरी, टाटा संस चेयरमैन का कार्यकाल 3 दिन पहले बढ़ा था
- **शेयर बाजार** में इस हफ्ते 6 आईपीओ आएंगे, कंपनियां टोटल 3,825 करोड़ जुटाएंगी 22 से 28 सितंबर के बीच ओपन होंगे

कार्टून..

मप्र-छत्तीसगढ़-गुजरात में बारिश, केरलम की कोट्टाप्पुझा नदी में बाढ़, 7 टूरिस्ट बहे

जूनागढ़ के झरने में 40 लोग फंसे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र का असर शुरू हो गया है। इसके चलते मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और गुजरात में रविवार दोपहर से ही मौसम बदल गया।

मौसम विभाग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरलम और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ओडिशा, तेलंगाना, कर्नाटक में यलो अलर्ट है। गुजरात के जूनागढ़ गिरनार वन क्षेत्र में भारी बारिश के कारण आत्मेश्वर महादेव मंदिर जाने वाली सड़क पर अचानक पानी का बहाव तेज हो गया।

इंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन करने गए बच्चों समेत 40 लोग बहाव में फंस गए। बारिश के कारण गिरनार पर्वत से गिरने वाले झरने में बाढ़ आ गई। सभी का रेस्क्यू हो गया है। केरलम में पूक्कोट्टुम्पडम में कोट्टाप्पुझा नदी में अचानक बाढ़ आ गई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, पर्यटकों समेत करीब 7 लोगों के बह जाने की आशंका है। यूपी में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। महोबा में पानी बढ़ने के बाद 6 डैम ओवरफ्लो हो गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 2-3 दिनों में राजस्थान, गुजरात और पंजाब के कुछ हिस्सों से भी मानसून की वापसी शुरू हो जाएगी।

इडुक्की में बारिश से मिट्टी खिसकी, दो लोगों की मौत
कोट्टाकम्बूर में मडस्लाइड से एक शेड ढह गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई। अधिकारियों के अनुसार, बालकृष्णन और उनका परिवार खेतों में काम करने गए थे, तभी भारी बारिश के कारण उन्हें खेत के पास एक शेड में शरण लेनी पड़ी। गौरतलब है कि इस इलाके में रविवार सुबह से ही बारिश हो रही है। जब वे बारिश रुकने का इंतजार कर रहे थे, तभी मलबा नीचे गिरा और शेड को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे तीनों लोग उसके नीचे दब गए। यह घटना दोपहर करीब 3:30 बजे हुई।

प्याज 3 महीने में 82% महंगी

30 से 54 रुपये किलो, महाराष्ट्र-कर्नाटक से प्याज की सप्लाई में कमी आई, कीमतें जल्द कम होने के आसार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

जून-सितंबर के दौरान देश में प्याज की कीमतें तेजी से उछलीं। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जून को प्याज का औसत खुदरा भाव 29.50 रुपए प्रति किलो था।

17 सितंबर को यह बढ़कर 53.78 रुपए प्रति किलो हो गया। यानी करीब साढ़े तीन महीने में ही प्याज की कीमतों में 82.3% की भारी बढ़ोतरी दर्ज हुई।

थोक बाजारों में तेजी और भी ज्यादा रही। 1 जून को थोक बाजार में प्याज का औसत भाव 22.60 रुपए किलो था। 10 सितंबर को यह 46.20 रु. हो गया, फिर 17 सितंबर को 45.68 रु. दर्ज किया गया। जून के मुकाबले प्याज के थोक भाव करीब दोगुने हो गए हैं।

महाराष्ट्र में गर्मियों की फसल खराब होने और आवक घटने से कीमतें बढ़ी हैं। कर्नाटक से भी सप्लाई कम हुई है। नई खरीफ फसल की आवक में देरी से भी बाजार में प्याज की कमी बनी हुई है। हालांकि, जल्द ही कीमतें कम होने की उम्मीद है।

प्याज के दाम घटाने के सरकारी कदम और असर

- **बफर स्टॉक से राहतः** सरकार सस्ते में खरीदा प्याज जमा रखती है और दाम बढ़ते ही इसे 35 रुपये किलो जैसी सस्ती दरों पर बाजार में उतार देती है ताकि आम जनता को राहत मिले।
- **एक्सपोर्ट पर रोक-टोकः** देश में किल्लत होने पर सरकार प्याज के निर्यात पर टैक्स या रोक लगाती है, जिससे देश के अंदर प्याज की कमी न हो।
- **आम आदमी पर असरः** सरकारी प्याज से कुछ हद तक जेब पर बोझ कम होता है, लेकिन खुदरा बाजार में दाम ज्यादा होने और नीतियों के बार-बार बदलने से पूरी राहत नहीं मिल पाती।

दिल्ली हाईकोर्ट में आज सात नए जज शपथ लेंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

ट्रायल कोर्ट के सात जज सोमवार को दिल्ली हाई कोर्ट के जज के तौर पर शपथ लेंगे। हाईकोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 60 है और इन सात नई नियुक्तियों के साथ, मौजूदा संख्या बढ़कर 50 हो जाएगी। चीफ जस्टिस डी के उपाध्याय, निवेदिता अनिल शर्मा, निशा सहाय सक्सेना, संजय शर्मा, भरत पाराशर, अदिति चौधरी, दिनेश भट्ट और अरुण भारद्वाज को शपथ दिलाएंगे। ये सभी यहां जिला न्यायपालिका में न्यायिक अधिकारी के तौर पर काम कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बाद केंद्र सरकार ने 19 सितंबर को इन सात नई नियुक्तियों की अधिसूचना जारी की थी।

फरीदकोट में 47 किलो हेरोइन पकड़ी, 3 विदेशी पिस्टल भी बरामद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ फरीदाबाद

पंजाब की फरीदकोट पुलिस के सीआईए स्टाफ ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 47 किलो 332 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने होंडा सिटी में सवार चार युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तीन विदेशी पिस्टल, मैगजीन और 15 कारतूस भी बरामद हुए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरुहरसहाय के गांव गूदड़ पंजगराई निवासी मंगल सिंह, जलालाबाद के गांव लमोचड़ खुर्द निवासी अंकुश, सचिन उर्फ संजू और अनमोल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार,बाबा फरीद आगमन पर्व को देखते हुए

सीआईए स्टाफ की टीम ने इंचार्ज हाकम सिंह के नेतृत्व में सादिक-दीप सिंह वाला सड़क पर गांव काउंनी के पास नाकाबंदी की हुई थी।

शनिवार आधी रात के दौरान दीप सिंह वाला की ओर से एक होंडा सिटी आती दिखाई दी। पुलिस कर्मचारियों ने कार को रुकने का इशारा किया। नाके के पास पहुंचते ही कार को सड़क किनारे रोक दिया गया, लेकिन उसमें सवार युवकों ने अचानक कार को पीछे मोड़कर मौके से भागने की कोशिश की। इसी दौरान कार बंद हो गई। पुलिस टीम ने तुरंत कार को घेरकर चारों युवकों को काबू कर लिया। पुलिस को कार में रखे एक गट्टे में नशीला पदार्थ होने का संदेह हुआ। इसके बाद कंट्रोल रूम को सूचना दी गई और डीएसपी अवतार सिंह राजपाल को मौके पर बुलाया गया। उनकी निगरानी में कार की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान गट्टे से हेरोइन के 42 पैकेट बरामद हुए। इन सभी पैकेटों का कुल वजन 47 किलो 332 ग्राम निकला। हेरोइन के अलावा पुलिस को कार के डैशबोर्ड में रखे एक लिफाफे से तीन विदेशी पिस्टल भी मिले। ये पिस्टल 30 बोर की हैं और इनके साथ मैगजीन तथा 15 कारतूस भी बरामद किए गए।

इटली में बुर्का और नकाब पर बैन लगाएंगेः मेलोनी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इटली

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने स्कूलों में बुर्का और नकाब पर रोक लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि कैबिनेट जल्द इस पर फैसला लेगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि स्कूलों में विदेशी छात्रों की संख्या भी सीमित रखी जाएगी। मेलोनी ने यह ऐलान राजधानी रोम में अपनी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली के युवा संगठन के राष्ट्रीय महोत्सव में किया। प्रस्तावित नियमों के तहत विदेशी छात्रों के उन पेरेंट्स को इटैलियन भाषा सीखनी होगी, जिनके बच्चों को स्कूल में घुलने-मिलने में दिक्कत है। कानून बनने के लिए सरकार की मंजूरी के बाद संसद से 60 दिनों के भीतर पास कराना होगा।

एमपीआरडीसी ने शुरू कराया अध्ययन

हाईवे-एक्सप्रेस-वे के आसपास अब सुनियोजित विकास की तैयारी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

प्रदेश में हाईवे और एक्सप्रेस-वे को केवल आवागमन का माध्यम मानकर निर्माण करने के बजाय अब इनके आसपास के क्षेत्रों के सुनियोजित विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सड़क बनने के बाद उसके किनारे बेतरतीब आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियां विकसित न हों, इसके लिए मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) ने हाईवे कॉरिडोर के आसपास विकास की संभावनाओं का अध्ययन शुरू कराया है। उज्जैन और आसपास के क्षेत्र भी भविष्य में बेहतर सड़क संपर्क और बढ़ती विकास गतिविधियों के कारण इस तरह की योजना के दायरे में महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

एमपीआरडीसी ने इस काम के लिए सूरत की डिजाइन प्वाइंट कंसल्ट प्राइवेट लिमिटेड को सलाहकार नियुक्त किया है। निगम और सलाहकार कंपनी के बीच 5 अगस्त 2026 को समझौता हुआ है। कंपनी को अध्ययन और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए 24 महीने का समय दिया गया है। इस कार्य की

अनुमानित लागत 3.50 करोड़ रुपए निर्धारित की गई थी, जबकि सलाहकार कंपनी ने 2.96 करोड़ रुपए में कार्य करने की पेशकश की है। अध्ययन के दौरान मौजूदा और प्रस्तावित हाईवे के आसपास चयनित क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति, भू-उपयोग, सड़क संपर्क, आवागमन तथा विकास की संभावनाओं का आकलन किया जाएगा। इसके आधार पर यह देखा जाएगा कि आने वाले वर्षों में किसी क्षेत्र में आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक अथवा अन्य गतिविधियों के लिए किस तरह की संभावनाएं हैं। हाईवे और एक्सप्रेस-वे बनने के बाद बेहतर कनेक्टिविटी के कारण जमीन पर विकास का दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

मणिपुर के कांगपोकपी में प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे खोदा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंफाल

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शनिवार रात हिंसक प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने मोतबुंग और आसपास के इलाकों में सड़कें जाम कीं, टायर जलाए और गाड़ियों पर पत्थर फेंके। इन लोगों ने नेशनल हाईवे-2 भी खोद दिया, ताकि गाड़ियां आगे न बढ़ सकें। यह रास्ता इंफाल से दीमापुर तक जाता है। हालांकि सुरक्षा बलों ने भीड़ को हटाने के लिए कई राउंड आंसू गैस के गोले छोड़े। ये लोग खोलेन गांव के 7 कुकी ग्रामीणों को हिरासत में लिए जाने का विरोध कर रहे थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में प्रदर्शनकारी गाड़ियों पर गोलियां चलाते हुए भी दिखे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक सुरक्षा बलों ने बाद में 7 विलेज वॉलंटियर्स को छोड़ दिया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया। फिलहाल हालात नियंत्रण में हैं। कुकी समुदाय के शीर्ष संगठन कुकी इनपी मणिपुर ने सात ग्रामीणों की हिरासत की निंदा की। संगठन ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल पर हिरासत लेने का आरोप लगाया। केआईएम ने एक बयान में कहा कि कुकी महिलाओं की हत्या के जिम्मेदार लोगों पर अधिकारियों ने कार्रवाई नहीं की। इसके बजाय स्थानीय नागरिकों को हिरासत में लिया गया।

गणेश गैलरी

बुधवारिया पर स्थापित वराह अवतार के साथ गणपति

अपनेतक

अपमान और उपेक्षा के सवाल अभी बाकी

मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद महापौर मुकेश टटवाल ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के सामने प्रस्तावित विरोध कार्यक्रम भले ही टाल दिया हो, लेकिन सवाल यह है कि क्या मामला सचमुच खत्म हो गया है? या फिर यह विवाद अब एक बड़े राजनीतिक सवाल की शुरूआत बन चुका है?

महापौर ने जिस घटनाक्रम के बाद बाबा साहेब की प्रतिमा के सामने बैठकर अपमान सहने की शक्ति मांगने की बात कही थी, वह सामान्य राजनीतिक नाराजगी से कहीं आगे की तस्वीर पेश करता है। शहर के प्रथम नागरिक का किसी राजनीतिक कार्यक्रम में रथ पर सवार होना और फिर कुछ देर बाद नीचे उतरने को कहा जाना–इस पूरे घटनाक्रम ने भाजपा की स्थानीय राजनीति में सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब धरना नहीं होगा, मुख्यमंत्री ने आश्वासन दे दिया है, नेता महापौर से मिल चुके हैं। बाहर से देखने पर लग सकता है कि मामला शांत हो गया। लेकिन राजनीति में शांत होना और खत्म होना दो अलग बातें हैं।

सबसे बड़ा सवाल अब भी यही है कि आखिर वह परिस्थिति बनी कैसे? महापौर के मुताबिक उन्हें रथ पर सवार होने के लिए कहा गया था और बाद में नीचे उतरने को कहा गया। दूसरी ओर, रिपोर्टों में रथ पर सवार होने वाले नेताओं की सूची में उनका नाम नहीं होने की बात भी सामने आई है। यानी विवाद का एक अहम हिस्सा अभी भी प्रोटोकॉल और निर्णय की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। और यहीं से राजनीतिक कहानी आगे बढ़ती है।

कांग्रेस ने महापौर के घर पहुंचकर सम्मान किया। विपक्ष के लिए इससे ज्यादा राजनीतिक अवसर क्या होगा कि सत्ता पक्ष के एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि से जुड़ा मामला सार्वजनिक बहस का विषय बन जाए। भाजपा के लिए भी यह केवल एक स्थानीय विवाद नहीं रह गया है। सवाल यह है कि क्या मुख्यमंत्री का आश्वासन इस विवाद को स्थायी रूप से समाप्त कर पाएगा या फिर महापौर की कथित उपेक्षा से जुड़े पुराने सवाल भी इसके साथ जुड़ते जाएंगे।

धरना टल गया है, नाराजगी का अध्याय जरूरी नहीं कि खत्म हुआ हो।

क्योंकि यदि एक महापौर को बाबा साहेब की प्रतिमा के सामने जाकर अपमान सहने की शक्ति मांगने की जरूरत महसूस हुई, तो उस भावना के पीछे का सवाल केवल एक दिन का नहीं है। अब असली परीक्षा यह है कि आश्वासन के बाद क्या कार्रवाई होती है, क्या महापौर को वह सम्मान और भूमिका मिलती है जिसकी अपेक्षा एक निर्वाचित प्रथम नागरिक करता है और क्या भाजपा इस पूरे घटनाक्रम पर अपने स्तर से कोई स्पष्ट संदेश देती है। इसलिए फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि मामला खत्म हो गया।

शायद असली सवाल तो अब शुरू हुआ है–महापौर का सम्मान, संगठन में उनकी भूमिका और सत्ता के भीतर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की स्थिति आखिर कितनी महत्वपूर्ण है?

स्व. सूर्यकांत मेहता की स्मृति में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आज

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

महानंदा नगर नागरिक समिति द्वारा मालवा के प्रसिद्ध कवि स्व. सूर्यकांत मेहता को समर्पित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन आज 21 सितंबर सोमवार को किया जाएगा। समिति का यह 37वां आयोजन है, जो महानंदा नगर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में रात 9 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम संयोजक देवव्रत यादव ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता मनोहर बैराग और विशेष अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व तराना विधायक महेश परमार होंगे। कार्यक्रम का संचालन सब टीवी फेम (खाचरौद) के नारायण लीडर करेंगे। कवि सम्मेलन में धमचक मुल्तानी, सतीश सागर, नरेन्द्र खत्री, सुरेन्द्र सर्किट, रासबिहारी, प्रियांशी पाटीदार और गोपाल कवलियां अपनी कविताओं का पाठ करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष अर्पित यादव, रामदास चौधरी, सुनील विजयवर्गीय, ओम रघुवंशी, राहुल यादव, मुकेश यादव, गोलू बादशाह, पुरुषोत्तम दायमा और मोनू यादव ने की है।

रथ से उतारे जाने के बाद मांगी थी अपमान सहने की शक्ति

महापौर की महू में आंबेडकर प्रतिमा के सामने तस्वीर से फिर गरमाया रथ विवाद

सीएम के आश्वासन से थमा था मामला; नई तस्वीर ने फिर बढ़ाई राजनीतिक हलचल

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के उज्जैन दौरे के दौरान रथ से महापौर मुकेश टटवाल को उतारे जाने का मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हस्तक्षेप के बाद भले ही शांत होता दिखाई दे रहा था, लेकिन अब इस मामले में एक नया घटनाक्रम सामने आया है। महापौर टटवाल द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई एक तस्वीर ने इस पूरे घटनाक्रम को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

महापौर टटवाल ने महू में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़कर खड़े होने की तस्वीर साझा की है। तस्वीर सामने आने के बाद इसे उनके उस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने रथ से उतारे जाने के बाद कहा था कि वे बाबा साहेब की प्रतिमा के सामने बैठकर अपमान सहन करने की शक्ति मांगेंगे और जनता ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसे पूरी निष्ठा से निभाते रहने की प्रार्थना करेंगे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शामिल हुए थे। उनके रोड शो के लिए बनाए गए रथ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित पार्टी के कई नेता सवार थे। इसी दौरान महापौर मुकेश टटवाल भी रथ पर सवार हुए, लेकिन कुछ समय बाद उन्हें रथ से नीचे उतरने के लिए कहा गया। घटना के बाद महापौर ने इसे अपने सम्मान से जुड़ा विषय बताते हुए सार्वजनिक रूप से अपनी नाराजगी व्यक्त की थी।

अंबेडकर प्रतिमा के सामने बैठने की कही थी बात

घटना के बाद महापौर ने कहा था कि वे 20 सितंबर को फ्रीगंज स्थित डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा के सामने बैठकर प्रार्थना करेंगे। उनका कहना था कि वे बाबा साहेब से अपमान सहन करने की शक्ति मांगेंगे, ताकि इसके बावजूद जनता ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसे वे पूरी निष्ठा से निभाते रहें। इस बयान के बाद मामला भाजपा के भीतर और स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया था। इस बीच बैरवा समाज की बैठक में भी घटनाक्रम को लेकर चर्चा हुई और महापौर के समर्थन में आवाज उठी। विपक्षी कांग्रेस ने भी इस मामले को लेकर भाजपा पर सवाल खड़े किए थे।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद टला था विरोध कार्यक्रम

मामला बढ़ता देख मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महापौर मुकेश टटवाल, बैरवा समाज के प्रदेश अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों से मुलाकात की। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री की ओर से उचित कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने की बात सामने आई। इसके बाद महापौर ने आंबेडकर प्रतिमा के सामने प्रस्तावित विरोध कार्यक्रम को स्थगित कर दिया था।

अब महू की तस्वीर ने फिर बढ़ाई हलचल

मामला शांत होने के बाद महापौर द्वारा महू में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़ते हुए तस्वीर साझा किए जाने से राजनीतिक चचाओं का नया दौर शुरू हो गया है। तस्वीर को महापौर के पुराने बयान के संदर्भ में देखा जा रहा है। हालांकि तस्वीर साझा करने के पीछे महापौर का तत्काल उद्देश्य या संदेश क्या था, यह उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया है या नहीं, यह अलग विषय है। लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे रथ विवाद की पृष्ठभूमि से जोड़कर चर्चा की जा रही है। खास तौर पर इसलिए कि महापौर ने घटनाक्रम के तत्काल बाद बाबा साहेब की प्रतिमा के सामने जाकर प्रार्थना करने की बात कही थी। अब महू में उसी तरह आंबेडकर प्रतिमा के सामने उनकी तस्वीर सामने आने से यह सवाल फिर उठने लगा है कि क्या विवाद वास्तव में पूरी तरह समाप्त हुआ है या उसके राजनीतिक और संगठनात्मक प्रभाव अभी बाकी हैं।

रथ विवाद से आगे बढ़कर सम्मान का सवाल

पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि मुकेश टटवाल निर्वाचित महापौर हैं और स्वयं को शहर के प्रथम नागरिक के रूप में अपनी भूमिका से जोड़कर इस पूरे मामले को देख रहे हैं। दूसरी ओर, रथ में कौन-कौन शामिल होगा और किसका नाम सूची में था, इसको लेकर भी अलग-अलग रिपोर्टों में चर्चा हुई है। कुछ रिपोर्टों में यह दावा किया गया कि रथ पर सवार होने वालों की सूची में महापौर का नाम नहीं था, जबकि महापौर का कहना रहा कि उन्हें पार्टी पदाधिकारियों ने स्वयं रथ पर बैठने के लिए कहा था।

पूरे विवाद का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया

महू में आंबेडकर प्रतिमा के सामने हाथ जोड़ते महापौर की नई तस्वीर ने फिलहाल इस पुराने घटनाक्रम की याद फिर ताजा कर दी है। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद जो मामला ठंडा पड़ता दिखाई दे रहा था, उस पर अब राजनीतिक चचाएं फिर तेज हो गई हैं। आने वाले दिनों में महापौर की ओर से इस तस्वीर को लेकर कोई विस्तृत बयान आता है या नहीं और संगठन स्तर पर इस मामले में क्या कार्रवाई होती है, इस पर भी राजनीतिक हलकों की नजर बनी हुई है।

अतिप्राचीन 2700 वर्ष पुराना सिक्का भी प्रदर्शनी मे आया

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

सिक्के हमारे इतिहास के खुले पन्ने हैं। सिक्कों से काल, संस्कृति व वैभव का परिचय मिलता है। उक्त बात शहर के महाकाल हाल मे चल रही मुद्रा प्रदर्शनी के अंतिम दिन प्रख्यात मुद्रा शास्त्री डॉ आर सी ठाकुर ने बताई। दैनिक ब्रह्मास्त्र से विशेष चर्चा मे डॉ ठाकुर ने बताया कि बहुत पुराना लगभग 2700 वर्ष प्राचीन गांधार सिक्का जो तक्षशिला काल का है वह भी प्रदर्शनी मे उपलब्ध था। ऐसे सिक्कों का वर्णन चाणक्य के ग्रंथ अर्थशास्त्र व अष्टाध्यायी मे भी है। गंधार ठप्पा सिक्का चांदी बेंट बार तरह का होता है जिसमे चांदी की सिल्ली जैसी होती है। ये सिक्के कोने से मुड जाते हैं ज्यादा वजन के कारण। उन्होने बताया कि मुद्रा आहत, ठप्पा व ढलवां प्रकार की रही हैं जो उस का काल व उस समय की संस्कृति व तकनीक का सचित्र चित्रण करती हैं। प्रदर्शनी के संबंध मे उन्होने बताया कि तीन दिवसीय ये मुद्रा प्रदर्शनी बहुत सफल रही।

तेजाजी के थानकों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था, सुबह से पूजा-अर्चना का दौर शुरु

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज की पूजन का पर्व तेजादशमी आज श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। पर्व को लेकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित तेजाजी महाराज के थानकों और मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने तेजाजी महाराज के दर्शन कर छतरियां, प्रसाद और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर पूजा-अर्चना की।

तेजादशमी को लेकर फ्रीगंज सहित शहर के बाजारों में पिछले कई दिनों से रौनक बनी हुई थी। तेजाजी महाराज के थानकों पर चढ़ाई जाने वाली रंग-बिरंगी छतरियों की जमकर बिक्री हुई। श्रद्धालु परिवार सहित बाजार पहुंचे और अपनी श्रद्धानुसार 50 से 200 रुपए तक की विभिन्न आकार और रंगों वाली छतरियां खरीदीं। आज सुबह इन्हीं छतरियों को लेकर श्रद्धालु तेजाजी महाराज के थानकों पर पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। चैरिटेबल अस्पताल परिसर स्थित तेजाजी महाराज के मंदिर में भी तेजादशमी को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। मंदिर की साफ-सफाई और पुताई के साथ ही परिसर को आकर्षक ध्वज, फूल-मालाओं और अन्य सजावटी सामग्री से सजाया गया है। पर्व के अवसर पर मंदिर में दिनभर धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिर के पुजारी पीयूष गुरु ने बताया कि तेजादशमी के अवसर पर सुबह 8 बजे मंदिर के पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इसके बाद से ही दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। दिनभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु तेजाजी महाराज के दर्शन कर छतरी और प्रसाद अर्पित करेंगे। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का वितरण भी किया जाएगा। रात्रि में महाआरती के बाद मंदिर के पट बंद होंगे।

तेजादशमी पर दमदमा में निकलेगा चल समारोह; घरों में नहीं उपयोग हुआ चाकू का

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज की आराधना का पर्व तेजादशमी आज शहर में श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही शहर के विभिन्न तेजाजी मंदिरों में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। भक्तों ने तेजाजी महाराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और अपनी श्रद्धानुसार छतरी, चने-चिरोंजी, नारियल तथा अन्य प्रसाद अर्पित किए। मंदिरों में सुबह से ही भजन-कीर्तन और धार्मिक गतिविधियों के चलते माहौल भक्तिमय बना रहा।

दमदमा स्थित नागचन्द्रेश्वर मंदिर में सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। भक्त तेजाजी महाराज को चने-चिरोंजी, नारियल का प्रसाद और रंग-बिरंगी छतरियां अर्पित करते नजर आए। श्रद्धालुओं ने परिवार के साथ मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और लोकदेवता से परिवार की सुख-समृद्धि तथा सुरक्षा की कामना की। मंदिर परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहने की संभावना है। दोपहर में यहां से विशाल चल समारोह निकाला जाएगा। इसके बाद मंदिर परिसर में भजन कार्यक्रम आयोजित होगा।

इसी तरह बुधवारिया स्थित चैरिटेबल अस्पताल परिसर के तेजाजी मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ रही। यहां भी भक्तों ने पूजा-अर्चना कर छतरियां और प्रसाद अर्पित किए। तेजादशमी के अवसर पर शहर के अन्य तेजाजी मंदिरों में भी विशेष पूजन-अर्चन के आयोजन किए जा रहे हैं।

आज घरों में नहीं चला चाकू

तेजादशमी के अवसर पर मालवा अंचल में एक पारंपरिक मान्यता के चलते कई घरों की रसोई में आज चाकू का उपयोग नहीं किया जाता। लोकदेवता तेजाजी महाराज के सम्मान में इस दिन कटी हुई सब्जी बनाने से परहेज किया जाता है। परिवारों में दाल, बाटी और चूरमा जैसे पारंपरिक व्यंजन बनाए जाते हैं। इस परंपरा के चलते तेजादशमी का पर्व केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि घर-घर में भी इसकी अलग छटा दिखाई देती है।

बच्चों को पहनाए सुरक्षा सूत्र

तेजाजी मंदिरों में दर्शन और पूजन के साथ श्रद्धालु बच्चों को झाड़नी दिलवाते तथा अभिमंत्रित तागे और सूत्र पहनाते भी नजर आए। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि इससे नजर दोष से बचाव और सुरक्षा मिलती है। लोक आस्था में तेजाजी महाराज को खेत-खलिहान और कच्चे स्थानों पर सर्पों से रक्षा करने वाले लोकदेवता के रूप में पूजा जाता है। इसी विश्वास के चलते तेजादशमी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं। शहर में तेजादशमी को लेकर सुबह से ही धार्मिक माहौल बना हुआ है।

पोर्सिलेन विनियर्स तकनीक से संवरेंगे दांत, सेमिनार में जुटे 100 से ज्यादा चिकित्सक

इंडियन डेंटल एसोसिएशन की उज्जैन शाखा का आयोजन

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

इंडियन डेंटल एसोसिएशन की उज्जैन शाखा द्वारा आईडीए मध्यप्रदेश के तत्वावधान में राज्यस्तरीय सतत दंत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। पोर्सिलेन विनियर्स विषय पर केंद्रित इस सेमिनार में उज्जैन सहित आसपास के 100 से अधिक वरिष्ठ दंत चिकित्सकों ने हिस्सा लिया और आधुनिक एस्थेटिक डेंटिस्ट्री की तकनीक समझी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. राहुल श्रीवास्तव ने दंत चिकित्सकों को पोर्सिलेन विनियर्स के चयन, उपचार योजना, क्लिनिकल प्रोटोकॉल और इसके बेहतर एस्थेटिक परिणामों की व्यावहारिक जानकारी दी। इस दौरान आईडीए के स्टेट प्रेसिडेंट डॉ. जीडी अवधिया, स्टेट सेक्रेटरी डॉ. राजीव श्रीवास्तव और स्टेट चेयरमैन डॉ. गगन जायसवाल विशेष रूप से मौजूद रहे।

आयोजन का संचालन डॉ. नमिता अग्रवाल और डॉ. अपूर्व धारीवाल ने किया। सेमिनार को सफल बनाने में आईडीए उज्जैन के अध्यक्ष डॉ. निहित सिंह राणा, सचिव डॉ. अंकित बाबर, कोषाध्यक्ष डॉ. अपूर्व धारीवाल, डॉ. दिनेश इंडेरिया, डॉ. नितीन जैन, डॉ. गुंजन राणा और डॉ. शुभम करोड़े की मुख्य भूमिका रही।

पेंशनर्स ने प्रांतीय महामंत्री बादल का किया स्वागत

बैठक की शुरूआत संगठन गीत देश हमें देता सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें के सामूहिक वाचन से हुआ

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर महासंघ संभाग उज्जैन की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि पेंशनर महासंघ के प्रांतीय महामंत्री सुरेश चंद्र बादल, विशेष अतिथि सतीश शर्मा, संभाग उज्जैन प्रभारी मनोहर गिरी, आगर मालवा जिला अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता शमशेर सिंह तोमर ने की।

बैठक की शुरूआत संगठन गीत देश हमें देता सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें के सामूहिक वाचन से हुई। इसके बाद मंचासीन अतिथियों एवं नए सदस्यों का संगठन की ओर से पट्टिका पहनाकर स्वागत किया गया। उपस्थित पेंशनर्स ने एक-दूसरे का परिचय भी दिया।

मनोहर गिरी, सत्यनारायण शर्मा और सतीश शर्मा ने बैठक को संबोधित किया। मुख्य अतिथि सुरेश चंद्र बादल ने संगठन की गतिविधियों, पेंशनर्स की समस्याओं, उनके निराकरण की स्थिति तथा संगठन की आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी।

उन्होंने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 एवं परिशिष्ट-6 के तहत पेंशनर्स से संबंधित भुगतान व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि यह व्यवस्था लंबे समय से पेंशनर्स के लिए आर्थिक समस्या का कारण बनी हुई थी। बादल ने बताया कि अब इस प्रक्रिया को समाप्त किए जाने की जानकारी संगठन को मिली है।

उन्होंने इस व्यवस्था की समाप्ति का श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को देते हुए कहा कि संगठन की ओर से आगामी दिनों में मुख्यमंत्री का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। साथ ही पेंशनर्स की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना, 32 एवं 27 माह के एरियर सहित अन्य मांगों एवं समस्याओं के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री से चर्चा और संवाद किया जाएगा। बैठक में पेंशनर्स की समस्याओं को लेकर आगामी दिनों में संगठनात्मक स्तर पर प्रयास जारी रखने पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि संवाद के माध्यम से लंबित समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा। बैठक का संचालन शमशेर सिंह तोमर ने किया। अंत में चंद्रकांत फटाले एवं राजकुमार जोशी ने आभार माना। बैठक में शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, मांगीलाल यादव, महेशकांत व्यास, रमेश चंद्र त्रिपाठी, ओमप्रकाश खंडेलवाल, किशोर कुमार दीक्षित, राणा प्रताप सिंह तोमर, आनंदी मौर्य, विमला जैन, विजया अवस्थी, शशि मेहरा, मनजीत कौर, मंजुला ढबले, दुगार्शंकर पाठक, नागुलाल शर्मा, मनमोहन त्रिवेदी, घनश्याम जोशी, नारायण सिंह यदुवंशी, सुभाष श्रीवास्तव, रामेन्द्र शर्मा, राजकमल अखंड, हरिसिंह चौहान, देवीलाल भदौरिया, परशुराम सिरोलिया, दशरथ सिंह चुण्डावत, राजीव सिंह सेंगर, दिनेश जोशी, शंकरलाल सोलंकी, के.एस. परमार, रमेश चंद्र बगेरिया सहित करीब 40 पेंशनर्स उपस्थित रहे।

उज्जैन के 205 दिव्यांग एवं सहयोगी श्रद्धालुओं ने किए बद्रीविशाल के दर्शन

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

सशक्त समर्थ विकलांग सेवा शिक्षा एवं प्रशिक्षण समिति के अंतर्गत समर्थ सेवा संस्था द्वारा आयोजित आठ दिवसीय निःशुल्क तीर्थ यात्रा के तहत उज्जैन के 205 दिव्यांग एवं सहायक श्रद्धालुओं ने भगवान बद्रीविशाल के दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने दर्शन के पश्चात भारत के अंतिम गांव माणा का भ्रमण भी किया।

संस्था उपाध्यक्ष दीपक राजवानी ने बताया कि यह यात्रा 16 सितंबर को उज्जैन से रवाना हुई थी। 17 सितंबर को हरिद्वार पहुंचने के बाद 18 सितंबर को सभी यात्री बस द्वारा बद्रीविशाल धाम पहुंचे थे और 19 सितंबर को भगवान बद्रीविशाल के दर्शन किए। हरिद्वार वापसी के बाद 21 और 22 सितंबर को हरिद्वार व ऋषिकेश का भ्रमण किया जाएगा। 23 सितंबर की सुबह हरिद्वार रेलवे स्टेशन से उज्जैनी एक्सप्रेस द्वारा वापसी होगी और 24 सितंबर को यात्री उज्जैन पहुंचेंगे। यात्रियों के लिए हरिद्वार के नागली वैला स्थित आस्था धाम आश्रम और बद्रीविशाल धाम में माणा गांव रोड स्थित भारत सेवा आश्रम में आवास व्यवस्था की गई है। यात्रा प्रस्थान के समय समाजसेवी नारायण दादा और महेश परियानी ने सभी का सम्मान किया था।

दैनिक ब्रह्मास्त्र

आरोग्य बुद्धि विनयोद्यम शास्त्ररागाः।
आभ्यन्तराः पठन सिद्धिकराः भवन्ति।।
अर्थः स्वास्थ्य, बुद्धि, विनय, उद्यम और शास्त्रों के प्रति प्रेम ये पाँच आंतरिक गुण हैं जो पढ़ने के लिए आवश्यक हैं।

खबर एक नजर...

नशे में पिता ने मासूम को बेरहमी से पीटा, आंखों-कान पर गंभीर चोट

इंदौर। विदुर नगर में 8 साल के बच्चे के साथ उसके पिता द्वारा बुरी तरह मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शराब के नशे में पिता ने बच्चे को इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी दोनों आंखों और कान पर गंभीर चोटें आईं। बच्चे की आंखों के नीचे खून जम गया। इसके बाद उसे तीन दिन तक कमरे में बंद रखा गया। आसपास के लोगों को जब बच्चे की हालत की जानकारी मिली तो उन्होंने उसे कमरे से बाहर निकाला और रात करीब 11:30 बजे द्वारकापुरी थाने लेकर पहुंचे। पुलिस ने बच्चे की हालत देखते हुए तत्काल उसे उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद से आरोपी पिता फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, बच्चा तीसरी कक्षा में पढ़ता है। उसकी मां करीब तीन साल पहले उसे छोड़कर चली गई थी। पिता मैजिक वाहन चलाता है, जबकि बच्चे की दादी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है। ऐसे में बच्चा पिता के साथ ही रह रहा था। बताया जा रहा है कि बच्चा रात में अन्य बच्चों के साथ देर तक खेल रहा था। इसी बात को लेकर पिता ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि नशे में पिता ने बच्चे को बुरी तरह पीटा और इसके बाद कमरे में बंद कर दिया। तीन दिन तक बच्चे के कमरे से बाहर नहीं आने पर आसपास के लोगों को शक हुआ। जानकारी मिलने के बाद लोगों ने उसे बाहर निकाला और पुलिस के पास लेकर पहुंचे। रात करीब 11:30 बजे बच्चे को लेकर लोग द्वारकापुरी थाने पहुंचे। टीआई मनीष मिश्रा ने बच्चे की हालत देखी और तत्काल उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजने की व्यवस्था की। पुलिस अब बच्चे के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। आरोपी पिता की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

9 साल के अश्विन पर मादा तेंदुए ने किया हमला

धार। मैं सुबह 10 बजे चचेरे भाई कार्तिक के साथ बकरियां चराने जंगल गया था। जब हम सीताफल तोड़ने खो के पास पहुंचे तभी झाड़ियों से मादा तेंदुआ निकली और मुझ पर झपट पड़ी। मैं चीखा तो उसने मेरी पीठ बुरी तरह नोच दिया। चचेरा भाई डरकर भागा और चिल्लाने लगा। उसकी आवाज सुनकर तेंदुआ पीछे हटी और शावकों के पास लौट गई। मैं वहीं पड़ा रहा। ग्रामीण मुझे गंधवानी अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद धार रैफर किया, जहां निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। वन विभाग के 2025-26 के सर्वे में जिले के जंगलों में 92 तेंदुए चिह्नित हुए हैं। गंधवानी, तिरला, अमझेरा और मांडू क्षेत्र के 53 गांव तेंदुआ प्रभावित हैं। जिले में 1.28 लाख हेक्टेयर जंगल है, जिसमें 17 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में पट्टे बांटे गए हैं।

गड्ढे में डूबने से 8 साल के बच्चे की मौत, इकलौता बेटा था वंश

इंदौर। गांधी नगर थाना क्षेत्र के नया बसेरा इलाके में रविवार को पानी से भरे गड्ढे में डूबने से 8 साल के बच्चे की मौत हो गई। स्कूल की छुट्टी होने पर वंश घर से खेलने का कहकर निकला था। दोपहर तक वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने तलाश शुरू की। गड्ढे के पास उसके कपड़े मिले और तलाश करने पर पानी में शव मिला। गांधी नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। गांधी नगर पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान वंश (8) पिता विशाल, निवासी नया बसेरा, गांधी नगर के रूप में हुई है। वंश चौथी कक्षा का छात्र था। रविवार को स्कूल की छुट्टी होने के कारण वह सुबह घर पर था और बाद में खेलने के लिए निकला था। दोपहर करीब डेढ़ बजे तक वंश घर नहीं लौटा तो परिजन उसकी तलाश में निकले। आसपास के बच्चों ने परिजनों को बताया कि वंश पास ही स्थित पानी के गड्ढे में नहाने जाने की बात कह रहा था। इसके बाद परिजन गड्ढे के पास पहुंचे, जहां वंश के कपड़े पड़े मिले। परिजन तलाश करते हुए गड्ढे के पास पहुंचे तो वहां वंश के कपड़े पड़े मिले। इसके बाद गड्ढे के पानी में तलाश की गई तो अंदर वंश का शव मिला। परिजन उसे बाहर निकालकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वंश अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी मां का पहले ही निधन हो चुका है। इसके बाद दादी ही उसकी देखभाल करती थीं। उसके पिता विशाल शहर में मेट्रो निर्माण का काम कर रही निजी कंपनी में मजदूरी करते हैं।

प्रोटेक्शन फीस बंद करने के नाम पर 1.30 लाख ठगे

इंदौर। पलासिया थाना क्षेत्र में बीई के एक छात्र के साथ ऑनलाइन साइबर ठगी का मामला सामने आया है। बदमाशों ने क्रेडिट कार्ड की प्रोटेक्शन फीस डिएक्टिवेट करने का झांसा देकर छात्र से ओटीपी दर्ज करवाया। इसके बाद क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 30 हजार रुपए अमेजान मर्चेंट पर ट्रांसफर हो गए। साइबर हेल्पलाइन से शिकायत मिलने के बाद पलासिया पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पलासिया पुलिस के अनुसार गीता भवन क्षेत्र में किराए से रहने वाले बीई छात्र सौम्य बोरदिया ने ठगी की शिकायत की है। सौम्य ने बताया कि 5 सितंबर को उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को एक्सिस बैंक का प्रतिनिधि बताया और कहा कि क्रेडिट कार्ड की प्रोटेक्शन फीस डिएक्टिवेट करनी है। जालसाज ने सौम्य को एक्सऑनलाइन डॉट हेल्प वेबसाइट पर लॉगिन कर प्रोटेक्शन फीस डिएक्टिवेट करने के लिए कहा। साथ ही बताया कि प्रक्रिया के बाद अगले 24 घंटे तक कार्ड से किसी तरह का लेनदेन नहीं करना है। आरोपी ने सौम्य को उनके क्रेडिट कार्ड की लिमिट, टाइम और डेट की जानकारी भी बताई। सौम्य ने वेबसाइट पर लॉगिन कर एक्टिव बटन दबाया। इसके बाद ओटीपी दर्ज करने का विकल्प आया। ओटीपी डालने पर स्क्रीन पर सेशन एक्सपायर होने का मैसेज आया और इसके बाद वह वेबसाइट से लॉगआउट हो गए। 24 घंटे बाद सौम्य ने ऐप पर अपना बैलेंस चेक किया। इसमें 1 लाख 30 हजार रुपए अमेजान मर्चेंट पर ट्रांसफर हुए मिले। ठगी का पता चलने के बाद उन्होंने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की। इसके बाद पलासिया पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसी को नौकरी की चिंता, किसी को पेपर लीक और पढ़ाई का खर्च बड़ी परेशानी

राहुल के कार्यक्रम के बाद छात्रों के पास फीडबैक फॉर्म

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में उठे सवालों और परेशानियों पर चर्चा के बाद स्टूडेंट्स की राय फीडबैक फॉर्म में भी दर्ज कराई गई है। कार्यक्रम खत्म होने के बाद छात्रों से भरवाए गए फॉर्म में उनके सामने सीधे चार सवाल रखे गए-आप क्या पढ़ रहे हैं? आपके भविष्य की सबसे बड़ी चिंता क्या है? क्या देश आपके सपनों के लिए तैयार है? और आज का युवा क्या चाहता है, लेकिन उसे मिल नहीं रहा? छात्रों के जवाबों में रोजगार, भर्ती परीक्षाओं, पेपर लीक, शिक्षा, नर्सिंग, छात्रवृत्ति और हॉस्टल जैसी चिंताएं सामने आईं।

समय पर नौकरी व रोजगार के अवसर मिलें: नर्सिंग छात्रा कविता भार्गव ने अपनी सबसे बड़ी चिंता पढ़ाई समय पर पूरी होने और उसके बाद नौकरी मिलने को बताया। उन्होंने लिखा कि अवसर हैं, लेकिन सरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरी के लिए प्रतियोगिता बहुत ज्यादा है। युवा क्या चाहता है, लेकिन उसे नहीं मिल रहा, इस सवाल के जवाब में उन्होंने समय पर नौकरी और बेहतर रोजगार के अवसर की जरूरत बताई।

तैयारी के दौरान भर्ती और परीक्षा की प्रक्रिया चिंता- सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे उज्ज्वल चंद्रवंशी ने भविष्य की सबसे बड़ी चिंता भर्ती परीक्षाओं में देरी और पेपर लीक का डर बताया। उन्होंने लिखा कि एक परीक्षा की तैयारी में कई साल लग जाते हैं, इसलिए परीक्षा समय पर हो और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे। देश उनके सपनों के लिए तैयार है या नहीं, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि तैयारी करने वालों के लिए अवसर होने चाहिए, लेकिन परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया समय पर पूरी होना जरूरी है।

डिग्री के साथ स्किल और रोजगार का अवसर भी- 20 वर्षीय कॉलेज छात्र आयुष ने भविष्य की चिंता के तौर पर डिग्री के बाद नौकरी मिलने को सबसे अहम बताया। उनका कहना था कि कॉलेज में पढ़ाई के साथ ऐसा प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए, जिससे विद्यार्थी नौकरी के लिए तैयार हो सकें। उन्होंने युवा की जरूरत के तौर पर अच्छी शिक्षा के साथ रोजगार के लिए सही मार्गदर्शन और अवसर को प्रमुखता दी।

नंदिनी के लिए पढ़ाई का खर्च बड़ी चुनौती- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहीं नंदिनी हरिश ने पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी के बढ़ते खर्च को अपनी सबसे बड़ी चिंता बताया। उनका कहना था कि कोचिंग, किताबें, रहने और आने-जाने का खर्च कई विद्यार्थियों के लिए चुनौती बन जाता है। उन्होंने लिखा कि हर विद्यार्थी महंगी कोचिंग नहीं कर सकता, इसलिए गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी से जुड़ी सुविधाएं ज्यादा सुलभ होनी चाहिए।

चार सवाल, लेकिन जवाबों में युवाओं की कई चिंताएं

फीडबैक फॉर्म में सवाल भले चार थे, लेकिन विद्यार्थियों के जवाबों में भविष्य से जुड़े कई मुद्दे सामने आए। किसी के लिए नौकरी सबसे बड़ी चिंता थी तो किसी के लिए भर्ती परीक्षा और पेपर लीक। किसी ने पढ़ाई समय पर पूरी होने की बात कही तो किसी ने शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के बढ़ते खर्च को चुनौती बताया। वहीं कुछ छात्रों ने डिग्री के साथ स्किल, मार्गदर्शन, छात्रवृत्ति और हॉस्टल जैसी सुविधाओं की जरूरत भी बताई।

मंच से उठी आवाज अब फॉर्म में दर्ज

कार्यक्रम के दौरान छात्रों की ओर से शिक्षा, रोजगार, भर्ती प्रक्रिया और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े सवाल उठे थे। कार्यक्रम के बाद फीडबैक फॉर्म के जरिए इन्हीं विषयों पर विद्यार्थियों की व्यक्तिगत राय दर्ज करने की कोशिश की गई। चार सवालों के जवाबों में छात्रों ने अपने भविष्य को लेकर चिंता के साथ यह भी बताया कि वे शिक्षा पूरी करने के बाद रोजगार और बेहतर अवसरों तक पहुंचने के लिए किन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

इंदौर में अवैध पोस्टर-बैनर के खिलाफ अनिश्चितकालीन उपवास

गांधी प्रतिमा के नीचे पत्नी के साथ बैठे प्रहलाद पांडे, बोले- हटने तक नहीं उठेंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

अवैध होर्डिंग-पोस्टर के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ता प्रहलाद पांडे पत्नी संगीता पांडे के साथ रीगल तिराहे स्थित गांधी प्रतिमा के नीचे अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठे हैं। पांडे का कहना है कि जब तक शहर की गलियों, मोहल्लों और चौराहों से अवैध बैनर-पोस्टर नहीं हटाए जाते, तब तक वे उपवास जारी रखेंगे और केवल पानी पिएंगे।

रविवार शाम धरना स्थल पर ह्यआशा की किरणह्न नाम से कार्यक्रम आयोजित किया गया। पांडे के मुताबिक, इसमें कई लोग शामिल हुए हैं। महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग हाथों में मोमबत्तियां और फ्लैशलाइट लेकर पहुंचे और नारे लगाए। इसके बाद लोगों ने रीगल क्षेत्र में चक्कर भी लगाया। पांडे ने बताया कि अगले कार्यक्रम का आयोजन रात 8 से 10 बजे तक किया जाएगा। इसमें देशभक्ति गीत और महापुरुषों के संस्मरण होंगे। दिन में भी जो लोग धरना स्थल पर पहुंचना चाहें, उनका स्वागत रहेगा। वे इंदौर में 100 ऐसे जनधर्मियों को जोड़ने की बात भी कह रहे हैं, जो जनहित के मुद्दों को लेकर सक्रिय होकर आवाज उठाएं।

पांडे का कहना है कि घटना से वे आहत हुए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में उनके साथ मारपीट हुई, इसलिए उन्होंने गांधीजी की शरण में बैठकर लोगों को अवैध बैनर-पोस्टर के खिलाफ जागरूक करने का फैसला लिया। इसके बाद वे गांधी प्रतिमा के नीचे धरने पर बैठ गए। बाद में उनकी पत्नी संगीता पांडे भी उनके साथ उपवास पर बैठ गईं। परिचितों और समर्थकों को जानकारी मिलने के बाद धीरे-धीरे अन्य लोग भी धरना स्थल पर पहुंचने लगे।

बोले- हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक 24 घंटे में हटने चाहिए पोस्टर- पांडे का कहना है कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर अवैध बैनर-पोस्टर हटाए जाने चाहिए।

जनता से अपील- अवैध पोस्टर दिखें तो फोटो लेकर आवाज उठाएं- पांडे ने लोगों से अपील की कि शहर में जहां भी अवैध बैनर-पोस्टर दिखाई दें, उनकी तस्वीर लेकर आवाज उठाएं। उनका कहना है कि जब तक जनता ऐसे मामलों में जागरूक होकर सवाल नहीं करेगी, तब तक समस्या का समाधान मुश्किल है। उन्होंने लोगों से ऐसे काम करने वालों को वोट नहीं देने की अपील भी की।

16 सितंबर को मारपीट का आरोप

पांडे के मुताबिक, 16 सितंबर को वे मरीमाता चौराहे पर स्मारक सूचक पर लगे कथित अवैध बैनर-पोस्टर का वीडियो बना रहे थे। इसी दौरान कुछ लोग वहां पहुंचे और उनके साथ मारपीट की। उनका आरोप है कि लोगों ने माइक और रिकॉर्डिंग डिवाइस छीन लिया और उन्हें विधायक गोलू शुक्ला का नाम नहीं लेने के लिए कहा। पांडे ने मारपीट करने वालों को विधायक गोलू शुक्ला से जुड़ा बताते हुए आरोप लगाए हैं। हालांकि उनका कहना है कि एफआईआर दर्ज होने और सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद ही आरोपियों की पहचान और उनके संबंध स्पष्ट हो सकेंगे। उनके मुताबिक घटना के पांच दिन बाद तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी।

महिला ने सर्च किया आई हॉस्पिटल का नंबर

5 रुपए ट्रांसफर का झांसा देकर ऐंठे 3.96 लाख

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर में आंखों के डॉक्टर का नंबर सर्च करने के बाद महिला ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गई। बाणगंगा इलाके की अनीता जैन ने आंखों के इलाज के लिए राजेश नेत्रालय अस्पताल का नंबर गूगल पर सर्च किया था। सर्च में मिले नंबर पर कॉल करने के बाद आरोपियों ने खुद को अस्पताल का कर्मचारी बताया और 5 रुपए का पेमेंट करने के लिए कहा। इसके बाद अलग-अलग अकाउंट से महिला के 3.96 लाख रुपए निकाल लिए गए। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाणगंगा पुलिस के मुताबिक, अनीता ने 13 सितंबर को राजेश नेत्रालय अस्पताल का नंबर गूगल पर सर्च किया था। इसमें मिले एक नंबर पर उन्होंने कॉल किया। कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति ने खुद को अस्पताल का कर्मचारी बताया। उसने 5 रुपए का पेमेंट करने के लिए कहा। इसके लिए दूसरे मोबाइल नंबर से एक लिंक भेजी गई। अनीता ने लिंक से खुले फॉर्म में अकाउंट की जानकारी दर्ज की और पेमेंट करने का प्रयास किया, लेकिन पेमेंट नहीं हुआ। इसके बाद आरोपी ने दूसरे अकाउंट से पेमेंट करने के लिए कहा। महिला ने दूसरे अकाउंट की जानकारी डालकर दोबारा पेमेंट करने का प्रयास किया। इस दौरान एसबीआई, आईसीआईसीआई और एक अन्य बैंक के अकाउंट की डिटेल डाली गई। 16 सितंबर को अनीता के एक खाते से 80 हजार रुपए और दूसरे खाते से 3 लाख 16 हजार रुपए कट गए। तीसरे अकाउंट से भी रुपए ट्रांसफर करने की कोशिश की गई, लेकिन इसमें ठग सफल नहीं हुए। इसके बाद अनीता ने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की। पुलिस ने जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है।

---

23 सितंबर को नो यूपीआई डे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

15 अक्टूबर से 2000 रु. से अधिक के यूपीआई मर्चेंट भुगतान पर 0.4% मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने की तैयारी के बीच मप्र में व्यापारियों का विरोध तेज हो गया है। इसका असर कितना बड़ा हो सकता है, इसका अंदाजा भोपाल-इंदौर के यूपीआई कारोबार से लगाया जा सकता है। अगस्त में दोनों शहरों में 17,963 करोड़ रु. का यूपीआई लेन-देन हुआ। यानी हर घंटे औसतन करीब 24 करोड़ रुपए। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के मुताबिक प्रदेश में अगस्त में 63,628 करोड़ का यूपीआई लेन-देन हुआ। इसमें 28% रकम अकेले भोपाल-इंदौर की है। इंदौर के व्यापारी 23 सितंबर को 2000 रु. से अधिक का यूपीआई भुगतान नहीं लेंगे। वहीं, 16 अक्टूबर से प्रदेशभर के पेट्रोल पंपों पर 2 हजार रु. से अधिक का भुगतान कैश में ही करना होगा

---

192 घंटे की ड्यूटी का नियम, कराई 392 घंटे

पीजी डॉक्टर ने की जान देने की कोशिश की, शिकायत की नहीं हुई सुनवाई

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के एमटीएच अस्पताल में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की 28 वर्षीय पीजी प्रथम वर्ष की जूनियर रेजिडेंट डॉ. सिमी यादव ने इंसुलिन का इंजेक्शन लगाकर जान देने की कोशिश की। उन्हें उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार को पूरे मामले की जांच कमेटी जांच करेगी।

पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर उनका बयान लिया है। डॉक्टर के परिजनों ने सीनियर डॉक्टरों पर मानसिक प्रताड़ना, अत्यधिक ड्यूटी, गैर-चिकित्सकीय काम कराने और शिकायत के बाद कथित तौर पर टार्गेट किए जाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजन ने बताया कि पीजी डॉक्टर के लिए महीने में 192 घंटे की ड्यूटी का रोस्टर है, लेकिन उनसे 392 घंटे तक काम करवाया गया। हमारे पास इसका सबूत भी है। शुरूआत में 36-36 घंटे की लगातार ड्यूटी कराई गई। बाद में 12 घंटे का रोस्टर जारी हुआ, लेकिन आरोप है कि कई दिन ड्यूटी रात 10.30, 11 और 12 बजे तक खिंचती रही। लंबे समय से शिकायत के बाद भी प्रबंधन ने कार्रवाई नहीं की। परिजन के मुताबिक डॉ. सिमी ने 14 फरवरी को एमजीएम मेडिकल कॉलेज में पीजी प्रथम वर्ष में जॉइन किया था। उन्होंने एमबीबीएस उज्जैन के आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज से किया है। जूनियर डॉक्टरों को ड्यूटी रूम के इस्तेमाल की पर्याप्त सुविधा नहीं मिलती थी। 36 घंटे की ड्यूटी के दौरान कुछ मिनट के लिए वॉशरूम जाने पर भी सीनियर फोन कर पूछते थे कि डॉक्टर कहां है और काम कौन कर रहा है। परिवार के मुताबिक मानसिक दबाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 15 मई को सिमी का जन्मदिन था और उससे एक दिन पहले 14 मई को भी उसने आत्महत्या की कोशिश की थी। उस समय भी परिवार उसे संभालता रहा।

मेट्रो विस्तार के साथ सार्वजनिक परिवहन का नेटवर्क बढ़ रहा है, लेकिन प्रस्तावित भूमिगत रूट को लेकर

मेट्रो के खिलाफ नहीं, रूट बदलने की मांग, रहवासियों ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

मेट्रो विस्तार के साथ सार्वजनिक परिवहन का नेटवर्क बढ़ रहा है, लेकिन प्रस्तावित भूमिगत रूट को लेकर तिलक नगर, गोयल नगर, साईंनाथ कॉलोनी और आसपास के रहवासियों का विरोध लगातार बढ़ रहा है।

रविवार रात तिलक नगर में रहवासियों ने घर-घर जाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया। नागरिकों को प्रस्तावित भूमिगत रूट की जानकारी देने के साथ उनकी आपत्तियां और सुझाव भी दर्ज किए गए। रहवासियों का कहना है कि वे मेट्रो के विरोध में नहीं हैं, लेकिन घनी आबादी वाली कॉलोनियों और पुराने मकानों के नीचे से सुरंग निकालने के बजाय वैकल्पिक रूट पर विचार किया जाना चाहिए।

आंदोलन का नया चरण- अब घर-घर पहुंच रहे रहवासी- तिलक नगर में हुए हस्ताक्षर अभियान में रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र के कई लोगों को अब तक प्रस्तावित रूट की पूरी जानकारी नहीं थी। ऐसे लोगों को रूट और उससे जुड़ी संभावित समस्याओं के बारे में बताया गया और उनकी राय ली गई। रहवासियों का कहना है कि अभियान का उद्देश्य विकास कार्य रोकना नहीं, बल्कि जनता को जानकारी देकर उनकी राय प्रशासन और मेट्रो अधिकारियों तक पहुंचाना है।

दो-तीन साल के निर्माण से धूल, शोर और कंपन की चिंता- रहवासियों ने निर्माण अवधि को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि भूमिगत मेट्रो का काम दो से तीन साल तक चलता है तो निर्माण के दौरान धूल, शोर और कंपन की समस्या बनी रह सकती है। क्षेत्र में बड़ी संख्या में परिवार रहते हैं, इसलिए लोगों को बच्चों की पढ़ाई और बुजुर्गों पर इसके असर की चिंता है।

जुलाई से शुरू हुआ विरोध, अब कई कॉलोनियां जुड़ीं- रूट को लेकर विरोध अचानक शुरू नहीं हुआ। रहवासियों के अनुसार 13 जुलाई को गोयल नगर में सॉइल टेस्टिंग की जानकारी मिलने के बाद लोगों ने आपस में संपर्क करना शुरू किया। इसके बाद अलग-अलग स्तर पर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिए गए और बैठकें की गईं।

50-60 साल पुराने मकानों की नींव को लेकर डर

रहवासियों का एक प्रमुख सवाल पुराने मकानों की सुरक्षा को लेकर है। क्षेत्र में कई मकान 50 से 60 साल पुराने हैं। लोगों का कहना है कि ऐसे मकानों की नींव के नीचे से टनल गुजरने पर निर्माण के दौरान होने वाले कंपन, जमीन में हलचल या अन्य प्रभावों से दरार और नुकसान की आशंका है। रहवासी चाहते हैं कि रूट तय करने से पहले पुराने मकानों और उनकी संरचनात्मक स्थिति का भी आकलन किया जाए।

बोरिंग-भूजल को लेकर चिंता

तिलक नगर और आसपास की कॉलोनियों में कई परिवार बोरिंग के पानी पर निर्भर हैं। रहवासियों को आशंका है कि टनल बोरिंग मशीन से भूमिगत खुदाई के दौरान जमीन के भीतर की संरचना और जलस्रोत प्रभावित हो सकते हैं। उनका कहना है कि यदि बड़ी संख्या में बोरिंग प्रभावित हुए तो क्षेत्र में पेयजल की समस्या खड़ी हो सकती है। हालांकि, इस आशंका की तकनीकी पुष्टि संबंधित एजेंसियों की जांच के बाद ही हो सकेगी।

खबर एक नजर...

सब्सिडी जारी करने 60 हजार घूस मांगने वाला अफसर सस्पेंड

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारी के खिलाफ मिली गंभीर शिकायत के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्रवाई की है। सीहोर जिले में निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस से सब्सिडी की राशि जारी करने के एवज में रिश्वत मांगने के आरोपों से घिरे कृषि मंत्रालय के विपणन अधिकारी अनुराग को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बताया गया है कि अधिकारी के खिलाफ सीहोर जिले में निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस संचालकों से कथित तौर पर रिश्वत मांगने की शिकायत केंद्रीय कृषि मंत्री तक पहुंची थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सब्सिडी की राशि जारी करने के एवज में शिवाय वेयरहाउस से एक लाख रुपए और श्रीकृष्णा वेयरहाउस से 60 हजार रुपए की मांग की गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद संबंधित अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। मामले में विभागीय स्तर पर आगे की कार्रवाई और जांच की प्रक्रिया भी की जा सकती है।

पॉक्सो आरोप, ब्लैकमेलिंग और कार्रवाई में देरी से परिवार बिखरा

ग्वालियर। ग्वालियर के डबरा में पॉक्सो के एक मामले में नाम आने के बाद कथित ब्लैकमेलिंग से एक परिवार पूरी तरह बिखर गया। बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत 26 वर्षीय इंजीनियर लवजीत राणा ने 20 दिसंबर 2025 को जान दे दी। बेटे को न्याय दिलाने और कथित ब्लैकमेलिंग करने वालों पर कार्रवाई की मांग को लेकर आठ महीने तक पुलिस अधिकारियों के चक्कर काटती रहीं उसकी मां चंद्रा राणा ने भी 22 अगस्त 2026 को जान दे दी। इसके बाद गोला का मंदिर पुलिस ने बच्ची के माता-पिता और एक वकील के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने कानपुर से आरोपी दंपती को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि वकील फरार है। परिवार का आरोप है कि पुलिस ने समय रहते उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की।

करणी सेना नेता ने दिल्ली से मंगवाया था केमिकल

सागर। मध्यप्रदेश के सागर के बंडा में जहरीली शराब से अब तक 36 लोगों की मौत हो चुकी है। नकली शराब तैयार करने वाले ठिकाने का वीडियो सामने आया है। पुलिस ने अंतरराज्यीय रैकेट का खुलासा किया है, जिसकी कड़ियां दिल्ली, ग्वालियर, मुरैना और कानपुर तक जुड़ी हैं। जांच में सामने आया कि दिल्ली से केमिकल, ग्वालियर से खाली बोतल और पैकेजिंग सामग्री आती थी। ततरवारा में शराब का घोल तैयार कर बोतलों में भरकर पैक किया जाता था। इसके बाद पेटियां बंडा और आसपास के इलाकों में सप्लाई की जाती थीं। ततरवारा के करणी सेना नेता चंद्रभान ने केमिकल मंगवाया था। इसी से दिनेश शिवहर से करीब 50 पेटी नकली शराब तैयार कराई थी। शराब बनाने वाले ने टेस्ट के लिए खुद शराब पी, तो उसकी मौत हो गई। उसके साथी की आंखों की रोशनी चली गई। पुलिस के मुताबिक, सागर गोल्ड और बंबइया व्हिस्की के नाम से नकली बोतलें, रेपर, दफ कोड और पैकेजिंग तैयार की गई थी। ततरवारा में बोतलों में घोल भरकर ढक्कन लगाए जाते, पैकिंग होती और पेटियां तैयार कर सप्लाई की जाती थीं।

150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी युवती, बोली-पति संग रहने नहीं दिया तो कूद जाऊंगी;

देवास। देवास में बागली-चापड़ा मार्ग पर रविवार शाम एक युवती 150 फीट से ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। युवती ने नीचे आने से इनकार करते हुए कहा कि उसने लव मैरिज की है, लेकिन परिवार उसे पति के साथ नहीं रहने दे रहा। उसने धमकी दी कि अगर उसे पति के साथ नहीं रहने दिया गया तो वह टावर से कूद जाएगी। टावर पर करीब दो घंटे तक चले घटनाक्रम के दौरान युवती ने अपनी परेशानी लिखी हुई 7 से 8 चिट्ठियां नीचे फेंकीं।

इनमें उसने लिखा कि उसने एक युवक से प्यार किया और उससे कोर्ट मैरिज की है। परिवार वाले इस शादी को नहीं मान रहे हैं और उसे घर से निकाल दिया है। युवती ने चिट्ठी में लिखा कि वह अपने पति के साथ रहना चाहती है। उसने अपने पति का नाम भी लिखा और उसे मौके पर बुलाने की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही बागली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और अन्य लोग युवती को समझाकर नीचे उतारने की कोशिश करते रहे। पुलिस ने उस युवक को भी मौके पर बुलाया, जिससे युवती ने कोर्ट मैरिज करने का दावा किया था। बागली विधायक मुरली भंवरा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने माइक से युवती को समझाया और कहा कि युवक के पिता को भी बुलाया जा रहा है।

लेडी आरटीओ इंस्पेक्टर की हत्या, प्रेमी ने किया सुसाइड

भोपाल। भोपाल के खजूरी सड़क थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह आरटीओ निरीक्षक मीनाक्षी गोखले (45) की उनके घर में हत्या कर दी गई। महिला के सिर पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। घटनास्थल से पुलिस को खून से सना हथौड़ा मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सीधी निवासी पवन कुमार द्विवेदी दो दिन पहले भोपाल आया था और मीनाक्षी के घर में रह रहा था। देर रात दोनों के बीच विवाद हुआ था।

मां-बेटे की दर्दनाक तस्वीर ने झकझोरा था

बरगी क्रूज हादसा याद कर बनाई गणेश झांकी

गणेश झांकी में फिर दिखाया बरगी क्रूज हादसा

ब्रह्मास्त्र ›› जबलपुर

30 अप्रैल को जबलपुर के बरगी डैम में हुए क्रूज हादसे में 13 लोगों की मौत और 28 पर्यटकों के बचने की घटना आज भी लोगों के जेहन में है। हादसे के बाद सामने आई सबसे झकझोर देने वाली तस्वीर मां-बेटे की थी, जिसमें मां अपने बच्चे को सीने से लगाए मृत मिली थी।

गणेश उत्सव में जबलपुर के गंगा नगर में इसी दर्दनाक हादसे को झांकी के जरिए फिर जीवंत किया गया है। इसमें बरगी डैम के बीच गणेश प्रतिमा के साथ क्रूज हादसे के दृश्य, पानी में जान बचाने की जद्दोजहद और मां-बेटे की आखिरी तस्वीर को दिखाया गया है। झांकी के जरिए हादसे में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देने के साथ पानी में उतरते समय लाइफ जैकेट पहनने का संदेश भी दिया गया है।

गंगा नगर निवासी 22 वर्षीय आदर्श पटेल ने घर के बाहर गणेश प्रतिमा स्थापित कर यह झांकी तैयार की है। उन्होंने बरगी डैम का स्वरूप तैयार किया और बीच में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की। इसके साथ हादसे के बाद पानी में तैरकर अपनी जान बचाने की कोशिश करते लोगों और अपनों को बचाने की जद्दोजहद के दृश्य दिखाए गए हैं। झांकी में हादसे के उस मार्मिक दृश्य को भी जगह दी गई है, जिसमें मां अपने बच्चे को बचाने के लिए उसे सीने से लगाए रहती है। बच्चे को पानी से बाहर निकालने के बाद भी जब उसकी जान नहीं बच सकी तो मां उसे अपने सीने से चिपकाए रही। इसी तस्वीर ने हादसे के बाद लोगों को सबसे ज्यादा झकझोरा था।

3-डी में उकेरा हादसा, मृतकों को श्रद्धांजलि

आदर्श पटेल ने बताया कि पांच महीने पहले जब बरगी में हादसा हुआ था, तब वे भी डैम गए थे। वहां हादसे के बाद के दृश्य और लोगों की जद्दोजहद ने उन्हें प्रभावित किया। इसके बाद उन्होंने गणेश उत्सव में हादसे को झांकी के जरिए दिखाने का फैसला किया। उनका कहना है कि झांकी का उद्देश्य हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि देना है। गणेश प्रतिमा के पीछे 3-डी तकनीक से हादसे के दृश्य उकेरे गए हैं। आदर्श के मुताबिक बरगी में हुआ हादसा संस्कारधानी के लोग शायद ही कभी भूल पाएंगे।

लापरवाही की कीमत जान से न चुकानी पड़े

आदर्श ने कहा कि हादसे ने यह भी दिखाया कि पानी में सुरक्षा को लेकर छोटी सी लापरवाही कितनी भारी पड़ सकती है। झांकी के जरिए लोगों से अपील की जा रही है कि क्रूज या नाव में बैठते समय लाइफ जैकेट जरूर पहनें। उनका कहना है कि लाइफ जैकेट पहनने से हादसे की स्थिति में जान बचने की संभावना बढ़ सकती है।

---

3 दिन पहले धीरा को लाए, गांधीसागर में राधा की एंट्री, अब 2 नर और 2 मादा चीते

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

राधाष्टमी के अगले दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गांधीसागर में मादा चीता सीसीबी-2 को चीतों के बाड़े में छोड़ा। दोपहर 4.36 बजे के बाद छोड़े गए इस चीते का नाम सीएम ने राधा रखा।

राधा के आने से गांधीसागर में अब चार चीते हो गए हैं, जिनमें दो नर और दो मादा हैं। इससे पहले नर चीते प्रभास और पावक को 18 फरवरी 2023 को भारत लाया गया था। दोनों को 20 अप्रैल 2025 को गांधीसागर में छोड़ा गया। मादा चीता धीरा को 17 सितंबर 2025 को यहां बसाया गया था।

उत्तम सत्य धर्म की आराधना, मुनि प्रणत सागर ने समझाया तत्वार्थ सूत्र

झूठ से पाप का जन्म होता है और सत्य से प्रशस्त होता है

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

लक्ष्मी नगर, सेठी नगर स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मुनि श्री प्रणत सागर जी महाराज के सानिध्य में चल रहे दशलक्षण पर्यूषण पर्व के पांचवें दिन रविवार को उत्तम सत्य धर्म की विशेष आराधना की गई। श्रावक-श्राविकाओं ने भक्ति-भाव से पूजा-अर्चना की। वाचन कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने तत्वार्थ सूत्र के पांचवें अध्याय का वाचन किया, जिसके बाद मुनि श्री ने संपूर्ण अध्याय का सरल हिंदी में भावार्थ समझाया।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री ने उत्तम सत्य धर्म का मर्म बताते हुए कहा कि हित, मित और प्रिय वचन बोलना ही सत्य है। जो वचन आत्मा के कल्याण के लिए हो, वही सत्य है। झूठ से हमेशा पाप का जन्म होता है, जबकि सत्य से ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। मुनि श्री ने तत्वार्थ सूत्र के पांचवें अध्याय में वर्णित अजीव तत्व के 42 मूल सूत्रों की व्याख्या करते हुए धर्म, अधर्म, आकाश, पुद्गल और काल द्रव्य के स्वरूप को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि जीव और पुद्गल के भेद को जानकर ही आत्म-कल्याण किया जा सकता है। सोमवार को धूप दशमी (सुगंध दशमी) के अवसर पर उत्तम संयम धर्म की पूजा होगी। इस अवसर पर मंदिर को विशेष रूप से सजाकर आकर्षक मंडल विधान बनाया जाएगा। साथ ही मुनि श्री द्वारा तत्वार्थ सूत्र के छठे अध्याय को समझाया जाएगा।

दिनभर चल रही धर्ममय गतिविधियां

ट्रस्ट सचिव सुशील लुहाड़िया एवं समाज सचिव सचिन कासलीवाल ने बताया कि चातुर्मास के तहत प्रतिदिन प्रातः 5:30 बजे से सामायिक, श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा व पूजा हो रही है। सुबह 7:30 बजे से दशलक्षण धर्म मंडल विधान और प्रवचन होते हैं। दोपहर 1:30 बजे से 10 महाविधान व 1008 अर्घ्यावली का कार्यक्रम तथा शाम 6:30 बजे से 22 परिषह ध्यान, आरती, शास्त्र सभा व भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। आगामी दिनों में उत्तम संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना के साथ रत्नत्रय, विशुद्ध सागर विधान और गुण संपत्ति अर्घ्यावली के विशेष आयोजन होंगे।

उज्जैन नागर ब्राह्मण समाज का आयोजन

पंडित विजय शंकर मेहता के मुखारविंद से श्रद्धालु करेंगे रसपान

महाकाल परिसर में 22 से गूंजेगी श्रीमद् भागवत की अमृतवाणी

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

नागर ब्राह्मण समाज द्वारा पितरों के प्रति श्रद्धा और सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण भाव से 22 से 24 सितंबर तक महाकाल परिसर, कोयला फाटक में पितृ स्मृति श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन दोपहर 4 से शाम 7 बजे तक होने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में डी.लिट. विद्यावाचस्पति पंडित विजय शंकर मेहता व्यासपीठ से कथा का रसपान कराएंगे।

कथा के प्रथम दिन 22 सितंबर को परिचय, महाभारत, मनु-शतरूपा, संतान कथाएं और अजामिल प्रसंग पर व्याख्यान होगा। 23 सितंबर को नृसिंह अवतार, गूढ़ प्रश्न, समुद्र मंथन, श्रीराम कथा और श्रीकृष्ण जन्म के प्रसंग सुनाए जाएंगे। अंतिम दिन 24 सितंबर को कृष्ण लीला, कंस वध, श्रीकृष्ण विवाह, स्वधाम गमन और पूर्णाहुति के प्रसंग होंगे। मध्य प्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद शाखा उज्जैन अध्यक्ष विजय शर्मा, महासचिव संजय जोशी, कोषाध्यक्ष गिरीश मेहता व मनीष मेहता, महिला मंडल शाखा उज्जैन अध्यक्ष नेहा मेहता, युवक परिषद अध्यक्ष अमित नागर, महासचिव अतुल मेहता, ट्रस्ट उदूर्पुरा अध्यक्ष हेमंत व्यास, महासचिव लव मेहता, हाटकेश्वर धाम ट्रस्ट हरसिद्धि की पाल अध्यक्ष सुरेंद्र मेहता सुमन और सचिव संतोष जोशी ने बताया कि यह आयोजन समाज में सांस्कृतिक एवं धार्मिक चेतना को मजबूत करेगा। आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं में उज्जैन नागर ब्राह्मण परिषद उपाध्यक्ष दिलीप मेहता, नरेंद्र नागर, राजीव लोचन नागर, देवेंद्र मेहता, सचिव डॉ. ललित नागर, अंकुश त्रिवेदी, ऋषभ मेहता, सुरेश मेहता, विजय प्रकाश मेहता, भुवनेश व्यास, नीतीश नागर और विशाल नागर सहित समाज के अन्य पदाधिकारी सक्रिय रूप से जुटे हैं।

अब तक 33.9 इंच बरसात; नर्मदापुरम में हवा-पानी से गणेश पंडालों को नुकसान

मध्यप्रदेश में 24 सितंबर से भारी बारिश, आखिरी मानसूनी दौर

ब्रह्मास्त्र ›› भोपाल

दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई से पहले मध्य प्रदेश में बारिश का दौर रहेगा। मौसम विभाग ने 24 सितंबर से कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले रिमझिम जारी रहेगी। प्रदेश में अब तक औसत 33.9 इंच पानी गिर चुका है, जो मानसूनी कोटे का करीब 91% है।

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार तक लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) उत्तर अंडमान सागर एवं आसपास के क्षेत्र के ऊपर स्थित था। रविवार को यह आगे बढ़ गया। इसके आगे बढ़ने और 21 सितंबर को मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर डिप्रेशन और 22 सितंबर को डीप डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। ऐसा होने से 24 सितंबर से कई जिलों में तेज बारिश शुरू होगी। इस दिन प्रदेश के छतरपुर, सतना, दमोह, डिंडौरी, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नर्मदापुरम, बैतूल और हरदा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इससे पहले रविवार रात को भोपाल के कई इलाकों में तेज पानी गिरा। नर्मदापुरम में हवा चलने के बाद करीब पौन घंटे बारिश हुई। फेफरताल में 33 केवी लाइन पर पेड़ गिर गया। बिजली गुल होने से शहर का करीब 40 फीसदी हिस्सा अंधेरे में डूबा रहा। रसूलिया, आशुतोष नगर और हरदा रोड स्थित महाराणा प्रताप मार्केट में गणेश पंडालों को नुकसान पहुंचा।

32 जिलों में 5% से 49% तक कम बारिश

प्रदेश के पूर्वी हिस्से- जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में 1% तक कम बारिश हुई है। बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडौरी, दमोह, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, मंडला, रीवा, सागर, सिवनी में 5% से 24% तक कम बारिश हुई है। पिछले एक सप्ताह में यह आंकड़ा काफी सुधरा है। रविवार तक आंकड़ा माइनस में 2 प्रतिशत रहा। वहीं, पश्चिमी हिस्से के आलीराजपुर, अशोकनगर, बैतूल, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, मंदसौर, मुरैना, नर्मदापुरम, नीमच, बड़वानी, खंडवा, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, उज्जैन और विदिशा में औसत से 5% से 49% कम पानी गिरा है।

23 जिलों में ज्यादा बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक, अनूपपुर, छतरपुर, मैहर, मऊगंज, निवाड़ी, पन्ना, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उमरिया, आगर-मालवा, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, दतिया, गुना, ग्वालियर, खरगोन, राजगढ़, श्योपुर और शिवपुरी में ही औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। जून में सूखा, जुलाई-अगस्त में अच्छी बारिश मौसम विभाग के अनुसार, जून में 14% कम बारिश हुई थी। जुलाई के शुरूआती दिनों में तेज बारिश होने से यह बढ़ गया। इसके बाद मानसून दो बार ब्रेक हुआ और कई दिन तक बारिश नहीं हुई। आखिरी सप्ताह में फिर से स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो गया।

महाराष्ट्र समाज के गणेशोत्सव में सजी अंताक्षरी की महफिल

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

क्षीरसागर स्थित महाराष्ट्र समाज तिलक स्मृति मंदिर में गणेश उत्सव के तहत अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस संगीतमय कार्यक्रम का संयोजन और संचालन जी टीवी अंताक्षरी फेम ज्वलंत शर्मा ने किया। यह संगीतमय कार्यक्रम देर रात तक चला, जिसमें उपस्थित श्रोता मंत्रमुग्ध हुए और उन्होंने कार्यक्रम का जमकर आनंद लिया।

गणेशोत्सव समिति के अध्यक्ष संजय दिवटे ने बताया कि आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. राहुल कटारिया और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता डॉ. गोविंद सोलंकी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मप्र विद्युत मंडल के अधीक्षण यंत्री शेखर फटाले ने की। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत बसंत आपटे, पांडुरंग गुमास्ते, रवींद्र आयाचित, रविन्द्र मुले और चंद्रकांत फटाले ने किया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र समाज के अध्यक्ष पंकज चांदोलकर, सचिव विश्वास कराडकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अंताक्षरी के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार अभय आरोंदेकर व जोग ने जीता। वहीं, द्वितीय पुरस्कार संयुक्त रूप से दो टीमों–प्रेरणा भावे और टीम तथा सारिका एवं टीम–को प्रदान किया गया।

गौतम स्वामी गुरुकुल के जेन जी बच्चों ने की शांतिधारा, आज 16 प्रमुख जिनालयों में मनेगी सुगंध दशमी

आत्मविजय ही जीवन की सबसे बड़ी विजय, तपोभूमि में उत्तम सत्य धर्म की आराधना

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

महावीर तपोभूमि में चल रहे 10 दिवसीय श्रावक संस्कार शिविर के अंतर्गत उत्तम सत्य धर्म दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सैकड़ों श्रावकों ने सामायिक, प्रतिक्रमण, मंगल अभिषेक, शांतिधारा और नित्य-नियम पूजा कर धर्मलाभ लिया। इस दौरान विशेष रूप से गौतम स्वामी गुरुकुल के जेन जी बच्चों ने सामूहिक शांतिधारा कर पुण्यार्जन किया, जो आकर्षण का केंद्र रहा।

शांतिधारा, अभिषेक व आहार के पुण्यार्जक वीरसेन जैन परिवार तथा कार्यक्रम के संयोजक रमेश-मीना जैन व सारिका जैन परिवार रहे। वासु भैया ने प्रवचन में कहा कि जैन धर्म में सत्य केवल वाणी का नहीं, बल्कि मन, वचन और काया का होता है। सत्य वही है जो हितकारी, प्रिय और धर्म से जुड़ा हो। इसके पश्चात सामूहिक विधान, तत्व-चर्चा व आरती की गई। आचार्य प्रज्ञा सागर के पांचवें उपवास के पारणा आहार के लिए ब्रह्मचारिणी प्रभा दीदी व अंजू दीदी गोलोक धाम जयपुर के लिए रवाना हुईं। समाज सचिव व मीडिया प्रभारी सचिन कासलीवाल ने बताया कि पर्यूषण पर्व के छठे दिन सोमवार 21 सितंबर को उत्तम संयम धर्म के अवसर पर सुगंध दशमी पर्व मनाया जाएगा। उज्जैन शहर के 16 प्रमुख जिनालयों में भव्य मंडल विधान की रचना और आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी। जिनालयों में प्राचीन प्रतिमाओं व शास्त्रों को दर्शनार्थ रखा जाएगा। महावीर तपोभूमि में भी विशेष सजावट कर गौतम स्वामी गुरुकुल के जेन जी बच्चों द्वारा आकर्षक मंडल बनाया जाएगा। आचार्य प्रज्ञा सागर ने उत्तम संयम धर्म पर अपने लिखित संदेश में कहा कि जैन दर्शन में संयम मोक्षमार्ग का आधार है। मन, वचन और शरीर को धमार्नुकूल बनाना ही संयम है। हजारों शत्रुओं को जीतने वाले से बड़ा विजेता वह है, जो अपने मन को जीत ले। आज मनुष्य सुविधाओं से संपन्न है, पर संतोष नहीं है। मोबाइल, इंटरनेट और उपभोक्तावाद ने इच्छाओं को बढ़ा दिया है, जिससे तनाव, अशांति और रोग बढ़ रहे हैं। मोटापा, मधुमेह, रक्तचाप व अनिद्रा जैसी बीमारियां असंयमित जीवनशैली का परिणाम हैं। भोजन, वाणी और धन का असंयम जीवन व समाज को नष्ट कर रहा है।

आयोजनों में शामिल होने की अपील

सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह संस्थापक अध्यक्ष अशोक जैन चायवाला, अध्यक्ष दिनेश जैन सुपर फार्मा, सचिव संजय नीलू बड़जात्या, कार्याध्यक्ष इंदरमल जैन, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सेठी, राजेंद्र रेखा लुहाड़िया, सहसचिव हितेष मनीषा जैन, सह कोषाध्यक्ष गिरीश चंदा बिलाला, गुरुकुल प्रभारी राजेंद्र लुहाड़िया, अनिल बुखारिया, सुशील गोधा, ओम जैन, संजय जैन, अतुल जैन, ग्रंथालय प्रभारी अनिल कासलीवाल, मंदिर व्यवस्था प्रभारी विमल जैन, अनिल जैन, संरक्षक पवन बोहरा, सुनील जैन ट्रांसपोर्ट, प्रज्ञा कला व युवा मंच अध्यक्ष पलाश लुहाड़िया, सचिव निखिल विनायक, प्रज्ञा पुष्प मंच अध्यक्ष अवनी जैन, सचिव तनिषा जैन, प्रज्ञा बाल मंच अध्यक्ष काव्य सेठी, सचिव आराध्य जैन सहित तपोभूमि परिवार और सकल दिगंबर जैन समाज ने किया है।

अब 'कॉलेज फेस्ट' जुड़ गईं अलिजेह

अलिजेह अग्निहोत्री सलमान खान की बड़ी बहन अलवीरा और बहनोई अभिनेता-निमार्ता अतुल अग्निहोत्री की बेटी हैं। सलमान की इस भांजी ने लगभग 3 साल पहले आई फिल्म 'फरें' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। इसके बाद अब जाकर उनके हाथ नई फिल्म लगी है। अलिजेह की अपकमिंग फिल्म का नाम 'कॉलेज फेस्ट' बताया जा रहा है। यह एक हॉरर कॉमेडी और जॉम्बी थ्रिलर फिल्म होगी। इसमें अलिजेह के अलावा यूट्यूबर आशीष चंचलानी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसका निर्माण 'पंचायत' जैसी शानदार वेब सीरीज बनाने वाले प्रोडक्शन हाउस टीवीएफ द्वारा किया गया है, जबकि निर्देशन की कमान वैभव बंधू के हाथ में है। कहानी नई पीढ़ी के कॉलेज के दिनों की होगी। इसमें दिखाया जाएगा कि कॉलेज फेस्ट के दौरान रहस्यमयी संक्रमण फैल जाता है, जिसकी वजह से कॉलेज छात्र जॉम्बी बन जाते हैं।

इंटीमेट सीन में हुई थी अनकफर्टेबल

राधिका मदान 'लस्ट स्टोरीज 3' में नजर आने वाली हैं। 18 सितंबर को रिलीज के लिए तैयार इस फिल्म के प्रमोशन में बिजी राधिका ने एक इंटरव्यू में बताया कि इस फिल्म में इंटीमेट सीन करना उनके लिए काफी अजीब था। इस सीन के दौरान उन्हें एक्टर से कहना था कि कहो तुम्हारी मां मैनिपुलेटिव है। एक्ट्रेस ने कहा, ये कहते हुए मुझे बहुत अजीब फील हो रहा था। मुझे लगा रहा था कि मैं क्या कर रही हूं।ᳵ हिंदी भाषा की इस एंथोलॉजी फिल्म में अलग-अलग डायरेक्टर्स की कहानियां दिखाई जाती हैं और राधिका इसमें डायरेक्टर शकुन बत्रा के निर्देशन में काम कर रही हैं।

सैयारा टीम की नई लव स्टोरी

रोमांस होगा और एक्शन भी

'सैयारा' से धमाल मचाने वाली टीम एक बार फिर एकजुट हो गई है। डायरेक्टर मोहित सूरी अब यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) के लिए ही एक मैच्योर और हट-के लव स्टोरी बना रहे हैं। इसके लिए उन्होंने अहान पांडे और अनीत पड्डा को ही लीड जोड़ी के तौर पर चुन लिया है। इस फिल्म की शूटिंग को लेकर भी नया अपडेट आ गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो मोहित सूरी अक्तूबर में मुंबई में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। फिर गोवा में भी शूटिंग होगी। खबर है कि यह एक अनोखी और मजेदार लव स्टोरी होगी। मोहित ने जुलाई-अगस्त में ही लुक टेस्ट कर लिए हैं और अक्तूबर से मुंबई के अंधेरी स्थित वाईआरएफ स्टूडियो के इनडोर सेट पर शूटिंग शुरू करने की तैयारी में हैं। पहले शेड्यूल में दोनों किरदारों के इंट्रोडक्शन सीन और उनके घरों के कुछ सीन पर फोकस किया जाएगा। नवंबर में यह लव स्टोरी गोवा शिफ्ट हो जाएगी। 'सैयारा' के विपरीत इस फिल्म में एक्शन भी देखने को मिलेगा।

महाभारत' के भीम सौरव गुर्जर को जेल:महिला ने शादी का झांसा देकर प्रताड़ना का आरोप लगाया

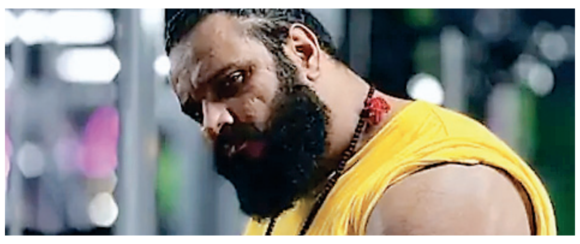

महाभारत' सीरियल में भीम का किरदार निभाने वाले एक्टर और हहए रेसलर सौरव गुर्जर को शादी का झांसा देने और महिला के उत्पीड़न के आरोप में हैदराबाद पुलिस ने कस्टडी में लिया है।

पुलिस ने उन्हें मुंबई एयरपोर्ट से पकड़ा और हैदराबाद लाकर कानूनी प्रक्रिया के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एक महिला ने सौरव पर आरोप लगाया है कि उन्होंने शादी का वादा करके उनके साथ लिव-इन में वक्त बिताया और अमेरिका में उनकी नौकरी भी छुड़वा दी। जब भी महिला ने शादी की बात की, सौरव ने उनका नंबर ब्लॉक कर दिया और दूरी बना ली।

29 साल की महिला की शिकायत के अनुसार, साल 2021 में इंस्टाग्राम के जरिए उनकी मुलाकात सौरव गुर्जर से हुई थी। इसके बाद दोनों व्हाट्सएप पर बातें करने लगे और उनके बीच नजदीकियां बढ़ गईं।

महिला ने बताया कि 25 दिसंबर 2021 को दोनों पहली बार मिले थे। इस दौरान सौरव ने उनसे शादी करने और पत्नी का दर्जा देने का भरोसा दिया था। इसके बाद दोनों अमेरिका में साथ रहने लगे और भारत लौटने पर भी साथ ही रहे।

महिला का कहना है कि सौरव के कहने पर उन्होंने अमेरिका में अपनी नौकरी छोड़ दी थी। सौरव ने उनसे वादा किया था कि दोनों मिलकर एक नया बिजनेस शुरू करेंगे। महिला का आरोप है कि लगातार हो रहे मानसिक उत्पीड़न की वजह से वे अपने करियर पर ध्यान नहीं दे पाईं। जब भी वे शादी को लेकर सवाल करती थीं, सौरव उनका फोन नंबर ब्लॉक कर देते थे और उनसे दूर हो जाते थे।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि सौरव अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 तक उनके साथ रहे। दोनों हैदराबाद में एक साथ रह रहे थे। इसी बीच सौरव बिना कोई जानकारी दिए अचानक गायब हो गए। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मां बनने के बाद पहले जैसी बॉडी की उम्मीद क्यों?

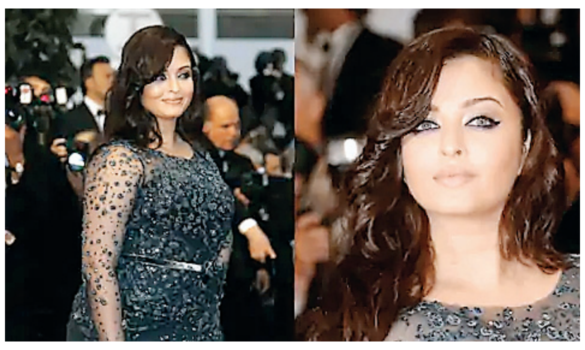

साल 2026 में भी महिलाओं के शरीर को लेकर बनी पुरानी सोच पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। खासकर फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेसेस से मां बनने के बाद भी पहले जैसी बॉडी और ग्लैमरस लुक की उम्मीद की जाती है।

कटरीना कैफ के हालिया मामले ने एक बार फिर इस मुद्दे को चर्चा में ला दिया। कटरीना कैफ और विक्की कौशल की पहली संतान यानी बेटे विहान का जन्म 7 नवंबर 2025 को हुआ था। कटरीना अब 40 की उम्र पार कर चुकी हैं और लंबे समय से अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। डाइट और फिटनेस को लेकर उनकी सतर्कता की वजह से उनकी एक खास फिटनेस इमेज बनी हुई है। हालांकि, मां बनने के बाद उनके शरीर में आए बदलावों को लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा।

पहले बच्चे के जन्म के बाद कटरीना काफी समय तक लाइमलाइट से दूर रहीं। इस साल अगस्त के आखिर में वह पहली बार पति विक्की कौशल के साथ फिल्ममेकर कुकू कोहली के अंतिम संस्कार में नजर आईं।

26 अगस्त 2026 को सामने आए वीडियो और तस्वीरों के बाद सोशल मीडिया पर कटरीना के पोस्टपार्टम लुक को लेकर कमेंट्स शुरू हो गए। कुछ यूजर्स ने उनके बढ़े हुए वजन और चेहरे पर आए बदलावों को लेकर कमेंट्स किए।

इसके बाद गणेश चतुर्थी के मौके पर जब कटरीना मुंबई में नजर आईं, तो सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरों और वीडियो को लेकर ट्रोलिंग और बढ़ गई। उनकी पुरानी तस्वीरों के साथ नई तस्वीरों की तुलना की गई।

इस पूरे मामले में सोशल मीडिया पर दो तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। एक तरफ कुछ लोग कटरीना के वजन और लुक पर टिप्पणी कर रहे थे, वहीं दूसरी तरफ फैंस, महिलाएं, क्रिएटर्स और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने ऐसी बॉडी शेमिंग का विरोध किया। इस चर्चा के दौरान यह सवाल भी उठा कि मां बनने के बाद किसी महिला से कितने कम समय में पहले जैसी बॉडी में लौटने की उम्मीद की जानी चाहिए।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...

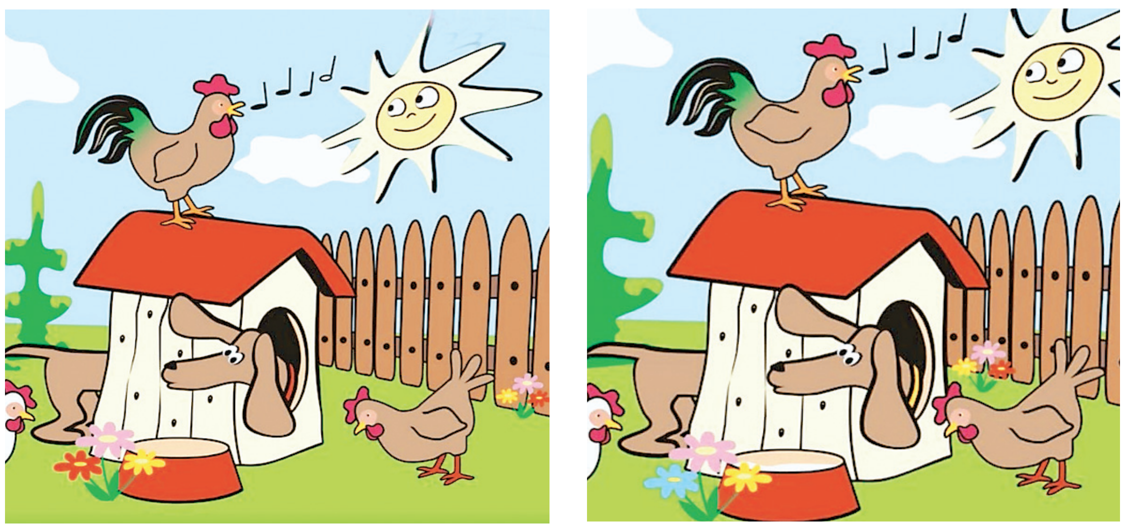

रंग भरकर चित्र बनाओ

जोक्स

टीचरः संजू, बताओ इतिहास किसे कहते हैं?
संजूः सर, जब पुराने जमाने के लोग
कांड करके मर जाते थे और
हमें अब उन्हें याद करना पड़ता है,
उसी को इतिहास कहते हैं।
टीचरः चुप कर! गधे कहीं के।

ये दोस्त हर खुशी
तेरी तरफ मोड़ दूं।
तेरे लिए चांद तारे तक तोड़ दूं।
खुशियों के दरवाजे तेरे लिए खोल दूं।
इतना काफी है या
दो-चार झूठ और बोल दूं। ??

वर्ग पहेली

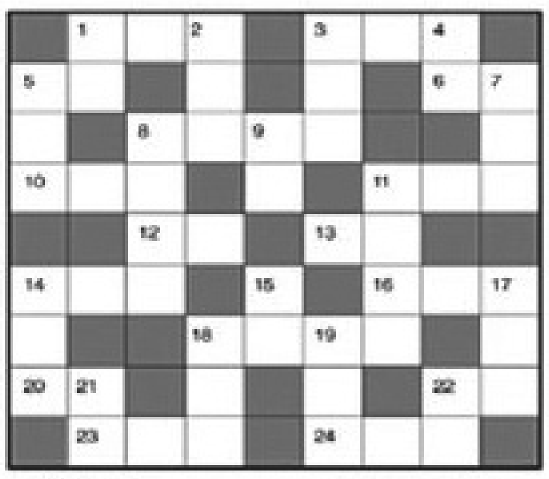

वर्ग पहेली 5242

बाएं से दाएं

1. सरस्वती-3
3. किनारा, तट-3
5. मूल्य, कीमत-2
6. उस समय-2
8. प्रबंध, व्यवस्था-4
10. नमक-3
11. अधीन, मातहत-3
12. संज्ञा, संबोधन-2
13. मार्ग, रास्ता-2
14. तीर्थ, धार्मिक यात्रा-3
16. धुन, आसक्ति-3
18. जमानत-4
20. रहस्य-2
22. पुत्र, तनय-2
23. मुलायम-3
24. गंवार, अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1. संध्या, सांझ-2
2. असुर, दैत्य-3
3. शोरबा, रसा-3
4. बुरी आदत-2
5. प्रवेश, एडमिट-3
7. वर यात्रा, दूल्हे का जुलूस-3
8. प्रियतम, साजन-4
9. अनाज-2
11. सनसनी, रोमांच-4
14. तृतीय-3
15. सच्चाई, सत्य-2
17. जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18. मुंशी, दीवान-3
19. रवैया, तरीका-3
21. आम जनता-2
22. लता, लतिका-2

माथा पच्ची

70		60		50		30	=	50
	█		█		█		█	
50		50		40		10	=	50
	█		█		█		█	
40		1		10		25	=	25
	█		█		█		█	
50		2		5		1	=	20
=	█	=	█	=	█	=	█	=
10		20		4		13	=	43 / 39

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (×) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

जि	दि	ल	ज	ले	म	ज	थ	न	र	क
दा	स	यू	न	आ	वा	जी	द	इ	ह	ल
स	य	दे	पू	ह	जी	ल	न	ज	क	हो
र	धी	व	श	ट	ज	ख्रा	म	पा	त	न
फ	त	ई	ड	में	र	खें	न	अ	कं	हो
रो	मे	म	सु	ब	र्ग	पू	न	ई	र	रू
ह	जं	ज	मे	ला	क	ज्ञा	ह	न	ज	री
क	ल	ग	र	सं	ज	ख्म	र	ली	व	है
ग्रे	बो	र्श	य	सा	दि	क	री	ह	प	ला
त	रा	जु	म	ज	ह	ञ	दा	जी	ला	त
वे	बी	लो	नि	या	ल	ब	र	ठ	त	हैं

शब्दजाल में शोनाली बेन्द्रे की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं.

सरफरोश, मेजर साहब, जख्म, दिलजले, भाई, लज्जा, कल हो न हो, तराजु, आहट, जिस देश में गंगा रहता है.

अष्टयोग

1	2		4		6	
	27		29		38	
5		7	1		3	4
	36	2	30	1	26	
3			6	7		
6	42		39		23	3
7		5		3		1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

माथा पच्ची का हल

25	+	25	-	10	x	1	=	40
+	█	-	█	x	█	x	█	+
15	-	10	x	3	-	15	=	0
-	█	+	█	-	█	+	█	-
35	+	10	-	29	+	15	=	31
+	█	-	█	x	█	-	█	+
40	+	2	+	10	-	20	=	10
=	█	=	█	=	█	=	█	=
45	-	23	+	10	-	10	=	[illegible]

अष्टयोग का हल

1	6	7	3	4	2	5
6	31	2	28	3	30	1
5	1	3	4	2	6	7
4	27	4	26	1	39	6
2	3	5	1	6	7	4
7	34	6	35	7	40	3
3	7	1	4	5	6	2

शब्दजाल का हल

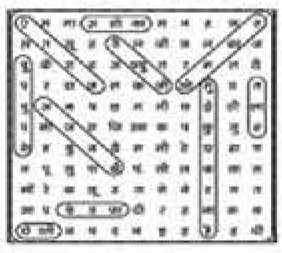

सूडोकू बवाल-

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू बवाल का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

प्याज 3 महीने में 82% महंगी, 30 से 54 किलो

ब्रह्मास्त्र ›› यूक्रेन

जून-सितंबर के दौरान देश में प्याज की कीमतें तेजी से उछलीं। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जून को प्याज का औसत खुदरा भाव 29.50 रुपए प्रति किलो था। 17 सितंबर को यह बढ़कर 53.78 रुपए प्रति किलो हो गया। यानी करीब साढ़े तीन महीने में ही प्याज की कीमतों में 82.3% की भारी बढ़ोतरी दर्ज हुई।

थोक बाजारों में तेजी और भी ज्यादा रही। 1 जून को थोक बाजार में प्याज का औसत भाव 22.60 रुपए किलो था। 10 सितंबर को यह 46.20 रु. हो गया, फिर 17 सितंबर को 45.68 रु. दर्ज किया गया। जून के मुकाबले प्याज के थोक भाव करीब दोगुने हो गए हैं। महाराष्ट्र में गर्मियों की फसल खराब होने और आवक घटने से कीमतें बढ़ी हैं। कर्नाटक से भी सप्लाई कम हुई है। नई खरीफ फसल की आवक में देरी से भी बाजार में प्याज की कमी बनी हुई है। हालांकि, जल्द ही कीमतें कम होने की उम्मीद है।

प्याज के दाम घटाने के सरकारी कदम और असर

बफर स्टॉक से राहत: सरकार सस्ते में खरीदा प्याज जमा रखती है और दाम बढ़ते ही इसे 35 किलो जैसी सस्ती दरों पर बाजार में उतार देती है ताकि आम जनता को राहत मिले।

एक्सपोर्ट पर रोक-टोक: देश में किल्लत होने पर सरकार प्याज के निर्यात पर टैक्स या रोक लगाती है, जिससे देश के अंदर प्याज की कमी न हो।

आम आदमी पर असर: सरकारी प्याज से कुछ हद तक जेब पर बोझ कम होता है, लेकिन खुदरा बाजार में दाम ज्यादा होने और नीतियों के बार-बार बदलने से पूरी राहत नहीं मिल पाती।

साल के इस समय क्यों बढ़ते हैं प्याज के दाम?

हर साल अगस्त से सितंबर के दौरान प्याज की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। इसके पीछे मुख्य रूप से तीन बड़े कारण होते हैं: त्योहारी सीजन में मांग का बढ़नाः रक्षाबंधन, गणेश उत्सव और आगामी त्योहारों के कारण खपत बढ़ती है। मौसम और लॉजिस्टिक्सः बारिश की वजह से सप्लाई चेन प्रभावित होती है और मंडियों तक माल देरी से पहुंचता है। फसल का चक्रः पुरानी फसल का स्टॉक खत्म होने लगता है और नई खरीफ फसल आने में थोड़ा समय होता है।

विश्व हिंदू परिषद बोला-अंसारी हिंदू विरोधी सोच से बाहर आएं

विश्व हिंदू परिषद ने पूर्व उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी के हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता वाले बयान पर रविवार को हमला बोला। राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने अंसारी पर हिंदू विरोधी, नेहरूवादी और कट्टरपंथी सोच रखने का आरोप लगाया। बंसल ने कहा कि भारत के बहुसंख्यक हिंदू समाज को देश के लिए खतरा बताने से पहले अंसारी को अपने सार्वजनिक जीवन का आइना देखना चाहिए।

यह बयान शुक्रवार को इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम के बाद आया। कार्यक्रम संवैधानिक विशेषज्ञ एजी नूरानी की याद में रखा गया था। अंसारी ने कार्यक्रम में नागरिक राष्ट्रवाद को चुनौती देने वाले उभरते रुझानों पर बात की थी। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बयान का हवाला दिया था। अंसारी ने बताया कि नेहरू का यह बयान विदेश मंत्रालय के अधिकारियों की बैठक में दिया गया था। इसे पूर्व विदेश सचिव जगत सिंह गुंडेविया ने दर्ज किया था।

उन्होंने कहा कि इस बयान को एजी नूरानी ने अपनी 2019 में प्रकाशित किताब द आरएसएसः अ मेनेस टू इंडिया में दर्ज किया है। बंसल ने पर अंसारी के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, उपराष्ट्रपति रहते हुए PFI से जुड़े कार्यक्रमों में आपकी मौजूदगी रही। राजदूत रहते हुए राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने के कई काले दाग आपके कार्यकाल से जुड़े हैं। इसके बावजूद आज आप हिंदुओं को सांप्रदायिकता का पाठ पढ़ा रहे हैं? बंसल ने आरोप लगाया कि अंसारी अब हिंदू समाज के खिलाफ बेबुनियाद बातें करके फिर अपनी कट्टरपंथी सोच दिखा रहे हैं। उन्होंने भारत विरोधी और हिंदू विरोधी सोच रखने का भी आरोप लगाया। बंसल ने अंसारी की अयोध्या फैसले पर आलोचना को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, आपको पता होना चाहिए कि दुनिया की सबसे ज्यादा मस्जिदें भारत में हैं। आपने पहले श्रीराम जन्मभूमि के ऐतिहासिक फैसले की आलोचना की थी।

बंसल ने कहा, नेहरूवादी, जिन्नावादी और हिंदू विरोधी सोच से बाहर आइए। देश ने आपको पद, सम्मान, पैसा और प्रतिष्ठा दी है। इसके लिए आभार जताइए और एहसान फरामोश मत बनिए। उन्होंने आगे कहा, अगली बार दूसरों को उपदेश देने से पहले अपने ही प्रतिबिंब को आईने में देखना बेहतर होगा।

जेलेंस्की बोले- अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में ट्रम्प से मुलाकात होगी

रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून के लिए शुक्रिया किया

ब्रह्मास्त्र ›› यूक्रेन

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार को बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से बात की है। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने तय किया है कि वे अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान मुलाकात करेंगे। जेलेंस्की ने पर पोस्ट कर लिखा कि रूस के साथ साढ़े चार साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए यह मुलाकात बहुत अहम है और इससे बहुत कुछ बदल सकता है। रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से युद्ध जारी है। रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को मॉस्को और आसपास के इलाकों में यूक्रेन ने 1600 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया। इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे।

इस मुलाकात में युद्ध का तनाव कम करने के साथ-साथ ऊर्जा, भोजन और आम लोगों की सुरक्षा जैसे जरूरी मुद्दों पर विचार किया जाएगा। जेलेंस्की ने बताया कि अमेरिका और यूक्रेन की टीमें मिलकर काम कर रही हैं और अब वे हालात सुधारने के लिए कुछ बड़े और गंभीर कदम उठाने को पूरी तरह तैयार हैं।

2022 से जारी रूस-यूक्रेन जंग

रूस और यूक्रेन के बीच जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई। रूस ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और तभी से दोनों देशों के बीच लड़ाई जारी है। रूस के पास यूक्रेन के करीब 20% इलाके पर कब्जा है। इस युद्ध में हजारों नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई है, जबकि लाखों यूक्रेनियन अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। जून 2023 तक करीब 80 लाख लोग यूक्रेन छोड़कर दूसरे देशों में चले गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध खत्म कराने के लिए रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ बातचीत कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अलास्का में मुलाकात की थी। यह करीब 80 साल में किसी रूसी नेता की पहली अलास्का यात्रा थी।

डोनबास को लेकर रूस और यूक्रेन के बीच फंसा है मामला

रूस पूरे डोनबास पर कब्जा चाहता है, लेकिन यूक्रेन अपनी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच शांति समझौते में यह सबसे बड़ी अड़चनों में से एक बना हुआ है। रूस डोनबास को बेहद अहम मानता है और इन्हें छोड़ना नहीं चाहता। पुतिन पहले ही कह चुके हैं कि शांति समझौते के लिए यूक्रेन को रूस के कब्जे वाले इलाकों पर अपना दावा छोड़ना होगा। साथ ही उसे इन इलाकों को रूस का हिस्सा मानना होगा।

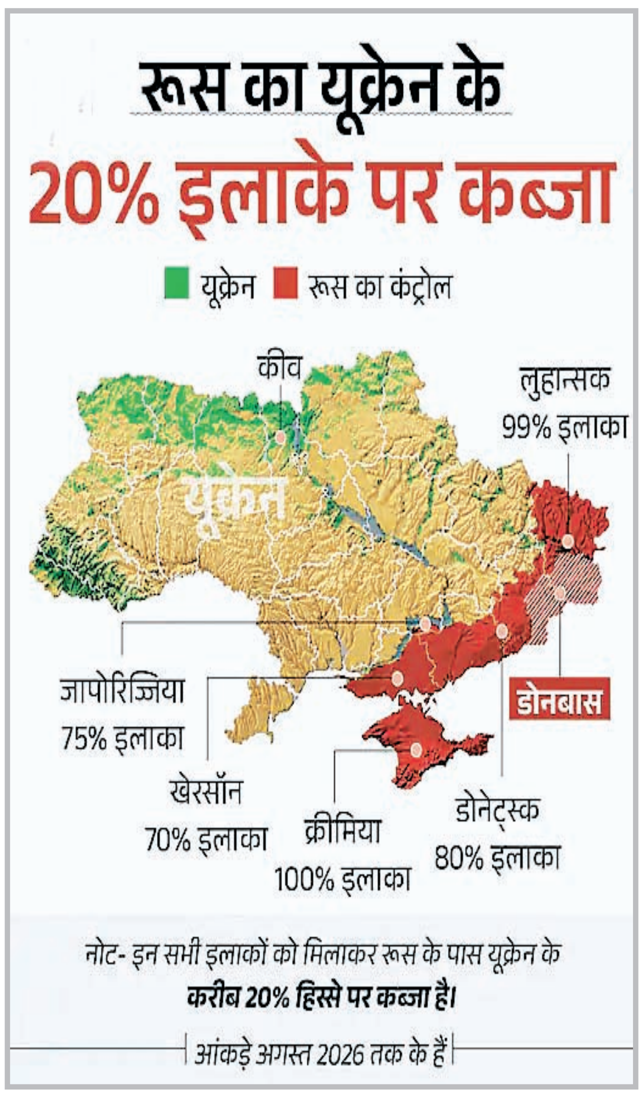

दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए धर्मशाला में यज्ञ, हनुमान मंदिर में हवन हुआ; हिंदू, सिख, तिब्बती, बौद्ध प्रतिनिधि शामिल

ब्रह्मास्त्र ›› धर्मशाला

धर्मशाला के कचहरी अड्डा स्थित ऐतिहासिक हनुमान मंदिर में रविवार को तिब्बती आध्यात्मिक गुरु परम पावन दलाई लामा की दीघार्यु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए 'धर्मशाला हिंदू चैप्टर–धार्मिक सद्भाव एवं विश्व शांति' के तत्वावधान में विशेष हवन-यज्ञ एवं सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में हिंदू, सिख, तिब्बती बौद्ध, थाई बौद्ध और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने एक साथ मंच साझा करते हुए अपनी-अपनी धार्मिक परंपराओं के अनुसार प्रार्थना की।

समारोह में थाईलैंड और स्वीडन से आए बौद्ध भिक्षुओं सहित विभिन्न मठों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। तिब्बती बौद्ध परंपरा से नामग्याल मठ के लोबसांग डाक्पा, डायलेक्टिक्स स्कूल के भिक्षु, गाडेन चोलिंग ननरी व तिलोकरपुर ननरी की भिक्षुणियां, किर्ति मठ के प्रतिनिधि तथा स्वीडन से आईं भिक्षुणी तेनजिन डोलकर शामिल हुईं। वहीं थाई बौद्ध परंपरा की ओर से जोगीवाड़ा स्थित वाट मठ से रायनू विचैदित, माई ची पट्चराना सहित कई थाई भिक्षुओं ने पारंपरिक प्रार्थना संपन्न कराई।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी श्यामनगर केंद्र से कमलेश बहन, गुरु सिंह सभा धर्मशाला के प्रतिनिधि और गायत्री परिवार से तपेंद्र शर्मा, विजय कटोच व कमलेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त जिला परिषद चेयरमैन सीमा चौधरी सहित अनेक गणमान्य सामाजिक व धार्मिक हस्तियों ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के मुख्य यजमान एवं हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि परम पावन दलाई लामा का संपूर्ण जीवन प्रेम, करुणा और अहिंसा का जीवंत उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के विचार पर टिकी है, पूजा पद्धतियां भिन्न हो सकती हैं, किंतु करुणा का भाव सभी को एक सूत्र में बांधता है। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि 'धर्मशाला हिंदू चैप्टर' का मुख्य उद्देश्य विभिन्न आस्थाओं के बीच संवाद और आपसी सम्मान को बढ़ावा देना है। हवन-यज्ञ के समापन पर सभी समुदायों ने सामूहिक रूप से विश्व शांति व मानव कल्याण का संकल्प लिया।

रूस में चुनाव के आखिरी दिन 1600 ड्रोन से हमला

ब्रह्मास्त्र ›› मॉस्को

रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को मॉस्को और आसपास के इलाकों में यूक्रेन ने 1600 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया। इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, हमले में कम से कम 2 लोगों की मौत हुई। इनमें एक 44 साल की महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति शामिल हैं।

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के मुताबिक राजधानी की एक बड़ी ऑयल रिफाइनरी को भी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल रिफाइनरी में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। एक ड्रोन के 21 मंजिला अपार्टमेंट से टकराने के बाद आग लग गई। इसके बाद करीब 400 लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। इनमें 70 बच्चे भी शामिल थे। रूस में शुक्रवार से संसदीय चुनाव के लिए मतदान चल रहा है। यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने के हमले के बाद पहला संसदीय चुनाव है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस चुनाव को यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के लिए जनता के समर्थन की परीक्षा के तौर पर पेश किया है।

इंग्लैंड में सिख बस ड्राइवर पर हमला, पीटा फिर बस से उतारा

ब्रह्मास्त्र ›› इंग्लैंड

इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स के टेलफोर्ड में एक युवक ने सिख बस ड्राइवर से मारपीट की और उसकी बस लेकर फरार हो गया। युवक ने बस को गलत दिशा में दौड़ाया और रास्ते में कई गाड़ियों को टक्कर भी मारी। बाद में पुलिस ने बस को रोककर युवक को गिरफ्तार कर लिया। घटना शुक्रवार शाम मेडले इलाके की कोर्ट स्ट्रीट पर हुई।

पुलिस के मुताबिक, युवक और बस ड्राइवर के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद युवक ने ड्राइवर पर हमला किया और उसे बस से नीचे उतार दिया। फिर वह बस लेकर पार्क वे और हाई स्ट्रीट की ओर निकल गया। युवक और बस ड्राइवर के बीच किस बात को लेकर बहस हुई थी इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। युवक और बस ड्राइवर के बीच किस बात को लेकर बहस हुई थी इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

ड्राइवर को मामूली चोटें आईं

हमले में बस ड्राइवर को मामूली चोटें आईं। मौके पर पहुंचे पैरामेडिक्स ने उनका इलाज किया। पुलिस के मुताबिक, घटना में किसी अन्य व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। इस घटना का वीडियो वायरल है। वेस्ट मर्सिया पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने आसपास के लोगों से अपील की है कि उनके पास घटना से जुड़ी डैशकैम, CCTV, मोबाइल फोन या डोरबेल कैमरे की रिकॉर्डिंग हो तो पुलिस को उपलब्ध कराएं।

इमरान खान की बहन लाहौर से गिरफ्तार

भाई की रिहाई के लिए प्रदर्शन करने वाली थीं

ब्रह्मास्त्र ›› लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की बहन अलीमा को रविवार को लाहौर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह इमरान की रिहाई की मांग को लेकर 27 सितंबर को होने वाले PTI के प्रदर्शन में शामिल होने वाली थीं।

इससे एक दिन पहले शनिवार को अडियाला जेल में इमरान खान का मेडिकल चेकअप किया गया था। जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि PIMS के डॉक्टर की अगुआई में उनकी जांच हुई। इसमें ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और आंखों की जांच की गई।

18 अगस्त को पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल भेजने का आदेश दिया था। हालांकि, उन्हें पाकिस्तान के बड़े सरकारी मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल टेस्ट के बाद उन्हें वापस अडियाला जेल भेज दिया गया था।

अलीमा खानुम की गिरफ्तारी से पहले इस्लामाबाद पुलिस चार PTI कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में ले चुकी है। डॉन के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि इन लोगों को 27 सितंबर के प्रदर्शन की तैयारी से जुड़ी एक बैठक के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उन पर दंगा करने, सरकारी काम में रुकावट डालने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने जैसे आरोप लगाए हैं। 27 सितंबर को राजधानी इस्लामाबाद में प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। पार्टी का कहना है कि इस प्रदर्शन का मुख्य मकसद इमरान खान की रिहाई की मांग करना है। PTI अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान इसे पहले ही शांतिपूर्ण मार्च बता चुके हैं।

प्रदर्शन को देखते हुए इस्लामाबाद में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। डॉन के मुताबिक, पुलिस और प्रशासन ने शहर के आने-जाने वाले रास्तों और संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की है। प्रदर्शन से जुड़ी गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है।

अभी दुनिया के 24 देशों में रोक; कहा- स्कूलों में विदेशी छात्रों की संख्या भी सीमित होगी

जॉर्जिया मेलोनी बोलीं- इटली में बुर्का और नकाब पर बैन लगाएंगे

ब्रह्मास्त्र ›› इटली

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने रविवार को कहा कि स्कूलों में बुर्का और नकाब पर रोक लगाई जाएगी। कैबिनेट जल्द इस पर फैसला लेगा। उन्होंने कहा कि स्कूलों में विदेशी छात्रों की संख्या भी सीमित की जाएगी। मेलोनी ने रोम में अपनी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली के युवा संगठन के राष्ट्रीय महोत्सव में यह घोषणा की।

नियमों के तहत विदेशी छात्रों के उन पेरेंट्स को इटैलियन भाषा की क्लास करनी होगी, जिनके बच्चों को स्कूल व्यवस्था में घुलने-मिलने में दिक्कत है। कानून बनने के लिए सरकार की मंजूरी के बाद संसद से 60 दिनों के भीतर स्वीकृति जरूरी होगी। अभी फ्रांस और चीन समेत दुनिया के 24 देशों में बुर्का और नकाब पर बैन है।

पाबंदियों का असर इटली के स्कूलों में पढ़ने वाले बड़ी संख्या में छात्रों पर पड़ेगा। शोध संस्थान फोंडाजियोने क्रटव के मुताबिक, इटली के स्कूलों में करीब 9 लाख 30 हजार ऐसे छात्र पढ़ते हैं, जिनके पास इटली की नागरिकता नहीं है।

ये छात्र देश के सभी छात्रों का करीब 11.6% हैं। पिछले 10 साल में इटली में विदेशी नाबालिगों की संख्या 4.5% घटी है।

यूरोप की अदालतों ने बुर्का पर बैन को सही माना

यूरोप में अदालतों का मानना है कि समाज में मेलजोल के लिए बुर्का बैन सही है, जबकि मानवाधिकार संगठन और संयुक्त राष्ट्र इसे महिलाओं की धार्मिक आजादी पर हमला मानते हैं। दूसरी तरफ, इटली की जीडीपी में विदेशी कामगारों का 9% योगदान है और खेती, निर्माण व बुजुर्गों की देखभाल जैसे क्षेत्र इन्हीं पर टिके हैं। मेलोनी सरकार के कड़े नियमों से इन कामगारों का आना-रहना मुश्किल हुआ, तो इटली में मजदूरों की भारी किल्लत हो सकती है।

इतालवी बच्चों को क्लास में अल्पसंख्यक जैसा महसूस नहीं होना चाहिए- मेलोनी

उन्होंने कहा कि अगर क्लास में सिर्फ बच्चा ऐसा है जिसे इतालवी भाषा समझ नहीं आती, तो वह बच्चा शायद क्लासमेट और टीचर की मदद से भाषा सीख लेगा और जल्द ही घुल-मिल जाएगा। लेकिन अगर भाषा न समझने वाले बच्चों की संख्या ज्यादा हो जाती है, या वे बहुमत में आ जाते हैं, तो यह घुलना-मिलना नहीं, बल्कि अनदेखी है। इटली की प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों के बिना चेहरा ढके स्कूल आना चाहिए, और इटली में कोई भी असली या काल्पनिक परंपरा के नाम पर यह तय नहीं कर सकता कि किसी युवा महिला को खुद को ढंककर रखना चाहिए।

■ वर्ष-12 अंक-318 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल

मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, सोमवासरः 21 सितम्बर, 2026

सुभाषितानि

दानानां च समस्तानां चत्वार्येतानि भूतले।
श्रेष्ठानि कन्यागोभूमिविद्या दानानि सर्वदा।।

भावार्थ : कन्यादान, गोदान, भूमिदान और विद्यादान सभी दानों में सर्वश्रेष्ठ हैं।

आचार्य पुस्तक निवास सहाय वासो।
बाह्या इमे पठन पञ्चगुणा नराणाम्।।

भावार्थ : आचार्य, पुस्तक, निवास, मित्र और वस्त्र ये पाँच बाह्य गुण हैं जो पढ़ने के लिए आवश्यक हैं।

यात्रिकसुविधायाः पार्श्वे मार्गसुरक्षायां बलं दत्तम्

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

तन्त्रं सुनिश्चितं करोति। केन्द्रस्य कृते ६० दिवसानां समयसीमा निर्धारिता, मध्यप्रदेशस्य कृते नीतिं सूचयितुं विशिष्टा समयसीमा स्थापिता च अस्मिन् दिशि प्रशासनिककार्याणि गतिं प्राप्नुयुः इति अपेक्षा अस्ति। अद्यत्वे नगरेषु अन्तिममाइलपर्यन्तं संपर्कं प्रदातुं ई-रिक्शाः महत्त्वपूर्णं साधनं जातम् अस्ति। फलतः न्यायालयस्य आदेशस्य उद्देश्यं तेषां कार्याणि न स्थगयितुं अपितु तेषां सुव्यवस्थितीकरणं कर्तुं वर्तते। संख्यानां मागाणां च नियमनेन यातायातप्रबन्धने सुधारः भवितुम् अर्हति, सुरक्षामानकानां सुदृढीकरणेन यात्रिकाणां अन्येषां च मार्गप्रयोक्तृणां लाभः भविष्यति।

सम्पादकीयम्

मूलभूतसुविधानां अभावः

जर्जरभवनानि मूलभूतसुविधानां च अभावः–देशे सर्वकारीयविद्यालयेषु किमर्थं सुधारः न भवति? जयपुरे जर्जरशासकीयविद्यालयस्य निरीक्षणसम्बद्धे कोकरोचजनतापार्टी भाजपा-पक्षयोः मध्ये राजनैतिकविवादः तीव्रः जातः। विद्यालयेषु मूलभूतसुविधानां अभावः-विद्युत्, जलं, फर्निचरं च। मूलभूतसुविधानां कृते उच्चैः स्वराः शिक्षायाः अधिकारः च। जयपुर-घटनायाः अनन्तरं काक-जनता-पक्षस्य भाजपा-पक्षस्य च मध्ये सङ्घर्षः अधिकं वर्धयितुं शक्नोति। यदि अयं अभियानः-प्रारम्भे सर्वकारीयविद्यालयानाम् लेखापरीक्षायै आरब्धः-अतः परं राजनैतिकवर्णं गृह्णाति तर्हि आश्चर्यं न भविष्यति। काङ्ग्रेस-आपा-पक्षयोः वक्तव्यं पूर्वमेव जारीकृतम् अस्ति। इदानीं भाजपा संस्थापकः अभिजीत दीप्के इत्यनेन उक्तं यत् यदि प्रश्ने विद्यालयस्य मरम्मतकार्यं न आरभ्यते तथा च ४८ घण्टानां अन्तः उत्तरदायीजनाः न गृहीताः तर्हि सः जयपुरं गमिष्यति। अन्येषु शब्देषु अयं विषयः अधिकं व्याप्तः भवितुम् अर्हति। अन्येषु भाजपाशासितराज्येषु अपि भाजपा स्वस्य अभियानं तीव्रं कर्तुं प्रयतते। विद्यालयानां जर्जरस्थितिः–किन्तु किमर्थं सुधारः नास्ति? परन्तु एतेषां घटनानां परितः कोलाहलस्य मध्ये एकः वैधः प्रश्नः अवशिष्टः अस्ति यत् देशस्य सर्वकारीयविद्यालयानाम् स्थितिः किमर्थं न सुधरति? यत्र भाजपा-दलेन निरीक्षणं कृतम् तत् विद्यालयं स्वयं अस्थायी-व्यवस्थायाः अन्तर्गतं कार्यं कुर्वन् अस्ति यतोहि मुख्यभवनं भृशं जर्जर-स्थितौ अस्ति। अन्येभ्यः विद्यालयेभ्यः पूर्वं उद्धृताः बिम्बाः अपि कदापि सन्तोषजनकाः इति वर्णयितुं न शक्यन्ते स्म।

मध्यप्रदेशराज्यस्य बारपरिषदः निर्वाचने जबलपुरतः

वरिष्ठा अधिवक्ता मनीषतिवारीः द्वितीयवारं क्रमशः सीटं प्राप्तवान्, चचार्याः विषयः अभवत्

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

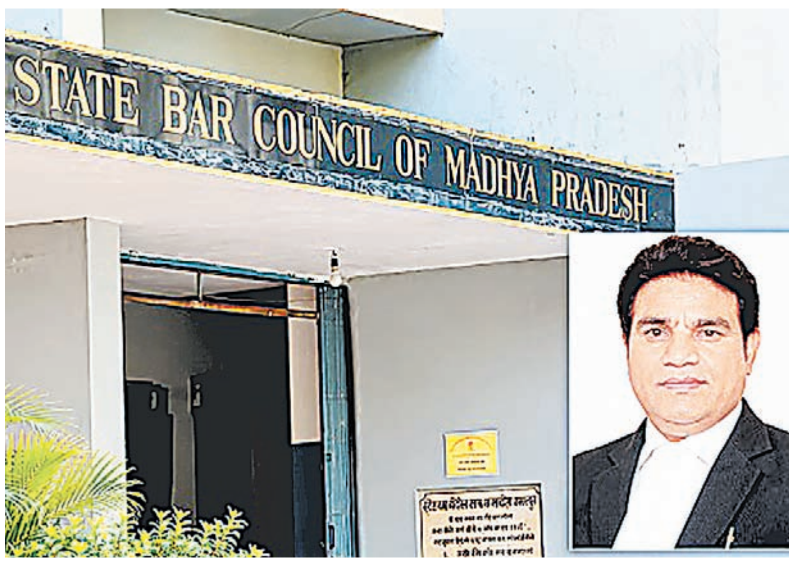

मध्यप्रदेशराज्यस्य बारपरिषदः (२०२६-२०३१ कार्यकालं कवरं कृत्वा) निर्वाचने जबलपुरतः वरिष्ठा अधिवक्ता मनीषतिवारीः द्वितीयवारं क्रमशः सीटं प्राप्तवान्। राज्ये सर्वत्र अधिवक्तृणां समर्थनं प्राप्य सः १० स्थानं प्राप्तवान्। एषा पृष्ठतः पृष्ठतः निर्वाचनविजयेन परिषद् अन्तः स्वकार्यस्य निरन्तरता सुनिश्चित्य अवसरः प्राप्यते। परिणामस्य घोषणानन्तरं तस्य निर्वाचनं जबलपुरे कानूनी भ्रातृसङ्घस्य मध्ये चचार्याः विषयः अभवत्।

त्रिदशकं विधिनुभवः मनीष तिवारी इत्यस्य कानूनीवृत्तिः प्रायः त्रयः दशकाः यावत् अस्ति। मध्यप्रदेश उच्चन्यायालये बहुधा अभ्यासं कृत्वा न्यायपालिका, बार-योः विषयेषु विस्तृतेषु विषयेषु कार्यं कृतवान् अस्ति। वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिलोचनसिंहरूपराहस्य कनिष्ठत्वेन सः स्वस्य व्यावसायिकयात्राम् आरब्धवान्। तेषु प्रारम्भिकेषु दिनेषु एकस्य वरिष्ठस्य अधिवक्तुः अधीनं प्राप्तं प्रशिक्षणं मार्गदर्शनं च तस्य अनन्तरं विधिव्यवहारस्य आधारं स्थापितवान्। सः वकिलकुटुम्बस्य अपि अस्ति; सः स्वर्गीय अधिवक्ता प्रेमशंकर तिवारी इत्यस्य पुत्रः अस्ति। उच्चन्यायालये दीर्घकालीनस्य अभ्यासस्य पार्श्वे सः कानूनीसमुदायसम्बद्धेषु संगठनात्मकेषु कायेर्षु सक्रियरूपेण भागं गृहीतवान् अस्ति।

राज्यस्य वकीलपरिषदः अतिरिक्तं मनीषतिवारीः जिलावकीलसङ्घस्य जबलपुरस्य, उच्चन्यायालयस्य वकीलसङ्घस्य च अन्तः विविधानि दायित्वं स्वीकृतवान् अस्ति एतेषु बार-सङ्गठनेषु कार्यकाले सः अधिवक्तृणां, संगठनात्मकक्रियाकलापानाम्, व्यावसायिकहितसम्बद्धानां विषयाणां च सम्बोधने सक्रियः अभवत्

तस्य समर्थकाः वदन्ति यत् विभिन्नस्तरयोः संगठनात्मकदायित्वनिर्वाहस्य तस्य अनुभवः परिषदः कायार्नुष्ठानस्य अवगमने महत्त्वपूर्णः अभवत्। द्वितीयवारं क्रमशः तस्य अभियानस्य समये एषः अनुभवः प्रमुखः वातार्लापविषयः आसीत्। युवा अधिवक्तृणां सम्मुखे ये विषयाः सन्ति तेषां विषये ध्यानं दत्तव्यम् कानूनी अभ्यासस्य विकसितप्रकृतेः मध्ये युवानः अधिवक्तारः वर्धमानव्यावसायिकचुनौत्यस्य सामनां कुर्वन्ति। फलतः बार-सङ्गठनानां कार्यं नूतनानां वकिलानां मार्गदर्शनं, तेभ्यः उत्तम-अवकाशान् प्रदातुं, कानूनी-व्यवसायेन सह प्रासंगिक-कल्याण-विषयान् उत्थापयितुं च आव्हानं दत्तम् अस्ति युवा अधिवक्तृसम्बद्धाः विषयाः मनीषतिवारी इत्यस्य संगठनात्मकक्रियाकलापस्य महत्त्वपूर्णः भागः एव अस्ति। परिषदे तस्य द्वितीयः कार्यकालः तस्मिन् समये आरभ्यते यदा वकिलानां नूतना पीढी विकसितप्रौद्योगिक्याः, परिवर्तनशीलन्यायिकप्रक्रियाणां, व्यावसायिकप्रतियोगितायाः च मध्ये स्वस्य कृते एकं आलम्बनं उत्कीर्णं कर्तुं प्रयतते। जबलपुर मे निरन्तर प्रतिनिधित्व सुरक्षित राज्यस्य न्यायाधीशपरिषदे जबलपुरतः प्रतिनिधित्वस्य विशेषं महत्त्वं वर्तते यतोहि एतत् नगरं मध्यप्रदेश उच्चन्यायालयस्य प्रमुखपीठरूपेण कार्यं करोति। अत्र वकिलानां बहूनां संख्या विधिव्यवहारे निरताः सन्ति, ये राज्यस्य विभिन्नभागेभ्यः उत्पद्यमानानां प्रकरणानाम् प्रतिनिधित्वं कुर्वन्ति। मनीष तिवारी इत्यस्य क्रमशः निर्वाचनेन सुनिश्चितं भवति यत् जबलपुरस्य वकिलानां परिषद्स्तरस्य प्रतिनिधित्वं निरन्तरं भविष्यति यत् ते स्वविषयान् अपेक्षां च प्रकटयितुं शक्नुवन्ति। निर्वाचनपरिणामानन्तरं स्थानीयवकीलाः सहकारिणः च तस्मै अभिनन्दनं कृत्वा आगामिकार्यकालस्य शुभकामनाम् अर्पितवन्तः।

जीआरपी-संस्थायाः

महिला-आरोपीं गृहीत्वा गृहीतं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

गञ्जा (भाङ्ग) इति मादकद्रव्यस्य अवैधविक्रयणं तस्करीं च सम्बद्धे प्रकरणे कार्यवाही कृत्वा जीआरपी-संस्थायाः ओडिशा-नगरस्य बरगढ-नगरस्य एकां महिला-आरोपीं गृहीत्वा गृहीतं, सा चिरकालात् पलायिता आसीत्। जीआरपी-अनुसारं महिला अभियुक्तानां-लिजा रानी साहू (साजन साहू इत्यस्य पत्नी, आयुः प्रायः ४५ वर्षीयः, ओडिशा-नगरस्य बरगढ-नगरस्य निवासी)-इत्यस्य संलग्नता जबलपुर-जीआरपी-स्थानके एनडीपीएस-अधिनियमस्य धारा ८/२०, २९ च अन्तर्गतं पञ्जीकृतस्य प्रकरणस्य अन्वेषणस्य समये एकत्रितसाक्ष्याणां आधारेण, तथैव पूर्वं गृहीतानाम् अन्वेषणस्य माध्यमेन च प्रकाशं प्राप्तवती शङ्किताः। अभियुक्ता महिला ओडिशा-नगरस्य बरगढ-नगरात् गञ्जा-आपूर्तिं आर्केस्ट्रां कुर्वती आसीत्, प्रकरणस्य पञ्जीकरणात् आरभ्य गिरफ्तारी-परिहारं कुर्वती आसीत्। निरन्तरं अनुसरणं कृत्वा तकनीकीगुप्तचरस्य उपयोगस्य अनन्तरं पुलिसदलेन तस्याः स्थानं ज्ञात्वा बारगढनगरे औपचारिकरूपेण गृहीतम्। अभियुक्तानां प्रश्नोत्तरं, प्रकरणे एकत्रितसाक्ष्यं च गञ्जस्य अवैधविक्रयणं, तस्करी, आपूर्तिः च इत्यत्र तस्याः संलग्नतायाः विषये महत्त्वपूर्णाः सूचनाः प्राप्ताः। अभियानस्य समये तस्याः मोबाईलफोन (अनुमानितमूल्यं १५,०००) जप्तम्।

राशिफल

मेष : शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आर्थिक स्थिति भी मजबूत रहने वाली है।

वृषभ : आय के साधन भी बन सकते हैं। नौकरी में बदलाव के योग बन रहे हैं। खर्च की अधिकता रहेगी।

मिथुन : परिवार का साथ मिलेगा। आय के साधन भी बनेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। फिट रहने पर फोकस रखें।

कर्क : संयत रहें। कारोबार में वृद्धि होगी। आय में वृद्धि होगी। अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक डेट प्लान करें।

सिंह : नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। किसी पुराने इन्वेस्टमेंट से मनचाहा रिटर्न नहीं मिलेगा।

कन्या : लाभ में भी वृद्धि होगी। कारोबार के लिए मित्र के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। समय-समय पर ब्रेक जरूर लेते रहें।

तुला : नौकरी में बदलाव के योग बन रहे हैं। हाल ही में हुई किसी डील से भारी मात्रा में धन-लाभ हो सकता है। कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परंतु कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। पॉजिटिव सोच बनाकर रखें।

धनु : शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। समय पर काम ना पूरा होने से सीनियर्स या मैनेजमेंट की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

मकर : किसी दूसरे स्थान पर भी जा सकते हैं। परिवार का साथ रहेगा। आज के दिन बदलावों से भरपूर रहने वाला है।

कुंभ : आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। आज का दिन आप लोगों के लिए काफी बिजी साबित हो सकता है।

मीन : परिश्रम भी अधिक रहेगा, परंतु आय में कमी हो सकती है। खर्चों में वृद्धि होगी। सिंगल लोग रिलेशनशिप में आ सकते हैं।

ज्योतिष/वास्तु

बुध-गुरु की शुभ दृष्टि से खुलेगा तरक्की का रास्ता, खुल सकते हैं कमाई और तरक्की के रास्ते

ज्योतिष में बुध को बुद्धि, तर्क और संवाद का कारक माना जाता है, जबकि गुरु ज्ञान और विस्तार से जुड़े हैं। इन दोनों ग्रहों की शुभ स्थिति से कुछ राशियों को करियर, धन और कारोबार में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना बन सकती है।

वैदिक ज्योतिष में बुध और गुरु को शुभ ग्रहों में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। बुध को बुद्धि, तर्क, संवाद और व्यापार का कारक माना जाता है, जबकि गुरु ज्ञान, भाग्य और विस्तार से जुड़े हैं। जब इन दोनों ग्रहों के बीच शुभ संबंध बनता है, तो इसका प्रभाव जातकों की सोच, निर्णय क्षमता और आर्थिक मामलों पर देखने को मिल सकता है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 22 सितंबर 2026 से बुध और गुरु के बीच लाभ दृष्टि का निर्माण होने जा रहा है। यह स्थिति तब बनती है जब दोनों ग्रह एक-दूसरे से 60 डिग्री के कोण पर स्थित होते हैं। ज्योतिष में इस तरह के ग्रह संबंध को अनुकूल माना जाता है। माना जाता है कि बुध और गुरु की यह स्थिति ज्ञान और समझ का सही इस्तेमाल करने, स्मार्ट तरीके से काम करने और नए अवसरों को पहचानने में मदद कर सकती है। इस दौरान कुछ राशियों के लिए करियर, कारोबार और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिस्थितियां बन सकती हैं। तो आइए जानते हैं, कौन-सी 4 राशियों के लिए बुध-गुरु की यह लाभ दृष्टि खास रह सकती है।

वृषभ राशि- वृषभ राशि के जातकों के लिए बुध और गुरु की लाभ दृष्टि आर्थिक और पारिवारिक मामलों में सकारात्मक परिणाम दे सकती है। बैंकिंग, वित्त, रियल एस्टेट या पारिवारिक कारोबार से जुड़े लोगों को विशेष अवसर मिल सकते हैं। आपकी संवाद शैली प्रभावशाली रहेगी, जिससे कामकाज से जुड़ी कई अड़चनें दूर हो सकती हैं। लंबे समय से अटका पैसा वापस मिलने की संभावना है। पैतृक संपत्ति से जुड़े किसी मामले में भी परिवार के वरिष्ठ सदस्यों की मदद से बात आगे बढ़ सकती है।

मिथुन राशि- मिथुन राशि के स्वामी बुध हैं, इसलिए इस राशि पर इस योग का प्रभाव विशेष रूप से देखने को मिल सकता है। आपकी सोचने-समझने और सही समय पर निर्णय लेने की क्षमता मजबूत हो सकती है। मीडिया, मार्केटिंग, लेखन, आईटी और साझेदारी से जुड़े काम करने वालों को नए अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली और समझदारी लोगों का ध्यान खींच सकती है। प्रभावशाली लोगों से संपर्क बनने से करियर या कारोबार में आगे बढ़ने का रास्ता खुल सकता है। पारिवारिक वातावरण भी सामान्य और सुखद रहने की संभावना है।

कन्या राशि – कन्या राशि के स्वामी भी बुध हैं और बुध-गुरु का यह संबंध आपके लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इस दौरान तर्कशक्ति और निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होने के कारण कामकाज में स्पष्टता आएगी। शिक्षा, रिसर्च, डेटा एनालिसिस और वित्तीय क्षेत्रों से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा जातकों को अपने काम के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से प्रशंसा मिल सकती है। आपकी उपलब्धियों को पहचान मिलने या किसी सम्मान से जुड़े अवसर बनने की संभावना भी है।

धनु राशि- धनु राशि के स्वामी बृहस्पति हैं, इसलिए बुध-गुरु का यह शुभ संबंध आपके करियर और सामाजिक जीवन के लिए अहम रह सकता है। विदेश से जुड़े काम या विदेशी कंपनियों से जुड़े प्रोजेक्ट में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। उच्च शिक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए भी समय अनुकूल रह सकता है। आपकी सामाजिक पहचान बढ़ेगी और नए संपर्क भविष्य में करियर या कारोबार के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। किसी पुराने कानूनी विवाद में राहत मिलने की संभावना है। रिश्तों में जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा और परिवार का समर्थन आपके आत्मविश्वास को बढ़ा सकता है।

पुरुष टीम ने 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में सिल्वर जीता, तीनों मेडल शूटिंग में आए

एशियन गेम्स में भारत को तीसरा मेडल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

जापान के नगोया में चल रहे एशियन गेम्स के तीसरे दिन भारत की पुरुष टीम ने 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीत लिया है। पार्थ माने, रुद्रांक्ष पाटिल और हिमांशु ढिल्लों 1890.1अंक अर्जित कर दूसरे स्थान पर रहे। चीनी टीम ने 1899.9 अंक लेकर पहले और कोरिया की टीम तीसरे स्थान पर रही। भारत को अब तक तीन मेडल मिले हैं। तीनों मेडल शूटिंग में ही आए हैं।

एशियन गेम्स में भारत के रुद्रांक्ष पाटिल और हिमांशु ढिल्लों ने मेंस के 10 मीटर एयर राइफल के इंडिविजुअल फाइनल में जगह बना ली है। क्वालिफिकेशन में रुद्रांक्ष 631.8 अंक के साथ तीसरे और हिमांशु 630.0 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहे। भारत के पार्थ राकेश माने 628.3 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहे और फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सके। इंडिविजुअल इवेंट का फाइनल सुबह 9 बजे शुरू होगा।

रुद्रांक्ष पाटिलः वर्ल्ड चैंपियन भारतीय शूटर- रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल का जन्म 16 दिसंबर 2003 को ठाणे, महाराष्ट्र में हुआ। वे 10 मीटर एयर राइफल के शूटर हैं। उन्होंने 2022 में काहिरा वर्ल्ड चैंपियनशिप में इंडिविजुअल और टीम इवेंट का गोल्ड जीता। इंडिविजुअल वर्ल्ड टाइटल जीतने वाले वे अभिनव बिंद्रा के बाद दूसरे भारतीय बने। 2022 में वे 10 मीटर एयर राइफल में वर्ल्ड नंबर-1 भी रहे।

पार्थ राकेश मानेः जूनियर वर्ल्ड चैंपियन- पार्थ राकेश माने का जन्म 13 नवंबर 2007 को हुआ। वे 10 मीटर एयर राइफल शूटर हैं। उन्होंने 2024 में पेरू के लीमा में आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर जूनियर वर्ल्ड टाइटल हासिल किया। इसी साल उन्होंने जूनियर वर्ल्ड कप में सिल्वर और एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज भी जीता।

हिमांशु ढिल्लोंः भारत के उभरते राइफल शूटर- हिमांशु ढिल्लों का जन्म 29 सितंबर 2005 को हुआ। वे 10 मीटर एयर राइफल शूटर हैं। 2025 में उन्होंने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में दो गोल्ड और एक ब्रॉन्ज जीता। 2026 में एशियन चैंपियनशिप में भी दो गोल्ड अपने नाम किए। म्यूनिख में 2026 के सीनियर वर्ल्ड कप में वे 9वें रहे और क्वालिफिकेशन में 635.7 अंक बनाए।

टेबल टेनिस और सेपकटकरा में भी जीते- टेबल टेनिस और सेपकटकरा में जीत के साथ शुरूआत की। विमेंस टेबल टेनिस के ग्रुप मुकाबले में सुतीर्था मुखर्जी ने पाकिस्तान की अलीना खान को हराया। वहीं, सेपकटकरा में भारत की पहली टीम ने जापान के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को एक विकेट से हराया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई हरारे

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को तीसरे और आखिरी वनडे 1 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से स्वीप कर लिया है। हरारे में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 271 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 49.5 ओवर में 9 विकेट खोकर 272 रन बना दिए। ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो जोश इंग्लिस और नाथन एलिस रहे। इंग्लिस ने 102 गेंदों पर 103 रन बनाए। एलिस 36 रन बनाकर नाबाद रहे और गेंदबाजी में भी 3 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया को आखिरी ओवर में जीत के लिए 9 रन चाहिए थे। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने गेंद वेस्ली मदहेवेरे को दी। एलिस ने पहली ही गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का लगा दिया। अब 5 गेंद पर 3 रन चाहिए थे। एलिस ने दो सिंगल लेकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी।

ऑस्ट्रेलिया की आखिरी विकेट के लिए एलिस और स्पेंसर जॉनसन ने 27 रन जोड़े। इससे पहले एडम जम्पा 9वें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए थे और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 27 रन चाहिए थे। जिम्बाब्वे के पास मैच जीतने का मौका था, लेकिन मदहेवेरे ने एलिस का कैच छोड़ दिया। 272 रन का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत खराब रही। ट्रेविस हेड 6 और कप्तान मिचेल मार्श 8 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कूपर कॉनॉली और इंग्लिस ने तीसरे विकेट के लिए 52 रन जोड़े।

सनथ जयसूर्या बोले- वैभव सूर्यवंशी भारत का फ्यूचर

प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की जल्दबाजी न करें, उनके पास काफी समय

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

पूर्व श्रीलंकाई कप्तान सनथ जयसूर्या ने रविवार को कहा कि वैभव सूर्यवंशी भारत के फ्यूचर हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। जयसूर्या ने कहा कि सूर्यवंशी के पास अच्छा प्रदर्शन करने के लिए काफी समय है। मौका मिलने पर वह अपनी प्रतिभा साबित कर देंगे।

सूर्यवंशी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे। हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। उन्हें एशियन गेम्स के लिए भी टीम में शामिल किया गया है।

जयसूर्या ने कहा- वह अलग तरह की प्रतिभा हैं। उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने का मौका दीजिए। वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा- मौके आएंगे। वह किस नंबर पर खेलेंगे, यह मैं नहीं बता सकता। यह स्थिति पर निर्भर करेगा। लेकिन जब मौका आएगा, तो वह उसे भुना लेंगे। इसलिए इंतजार करते हैं।

जयसूर्या ने भारतीय क्रिकेट की तारीफ की- जयसूर्या ने कहा कि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को लगातार प्रदर्शन करते रहना होगा। उन्होंने कहा- हर क्रिकेटर की अपनी प्रतिभा होती है। खिलाड़ी अभ्यास और ट्रेनिंग में कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने कहा- भारत में हमेशा ऐसे खिलाड़ी तैयार रहते हैं, जो किसी की जगह लेकर प्रदर्शन कर सकते हैं। यहां कम्पीटिशन बहुत ज्यादा है। क्रिकेट का स्तर भी बहुत ऊंचा है। खिलाड़ी सभी फॉर्मेट खेलते हैं।

कॉरपोरेट को भारतीय क्रिकेट के लिए जरूरी बताया- जयसूर्या ने खेल में कॉरपोरेट क्षेत्र की बढ़ती भूमिका और कॉरपोरेट क्रिकेट वर्ल्ड कप की जरूरत पर भी बात की। उन्होंने कहा- ह्यजब आप भारत के सभी शहरों में खेलते हैं, तो कॉरपोरेट खिलाड़ी भी सामने आते हैं। उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। ऐसे बहुत से खिलाड़ी हैं, जिन्हें क्ढछ में मौका नहीं मिला। यहां उन्हें अवसर मिलता है।'

खबर एक नजर...

सड़क दुर्घटना में घायल 2 महिलाओं की मौत

उज्जैन। रतलाम के आलोट में रहने वाली रूकसार बी पति समीर खान को सड़क दुर्घटना में घायल होने पर परिजन उज्जैन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहीं आगर मालवा के ग्राम सेवाखेड़ी में रहने वाली प्रेमबाई पति नेपालसिंह कबीरखेड़ा बड़ौद में सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई थी। उसे भी उपचार के लिये उज्जैन निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दोनों की रविवार को मौत हो गई। मामले में नीलगंगा थाना पुलिस ने मर्ग कायम करने के बाद दोनों के पोस्टमार्टम कराये है। पुलिस का कहना था रूकसार बी के मामले में मर्ग डायरी आलोट और प्रेमबाई के मामले की जांच आगर मालवा पुलिस को सौंपी जायेगी।

बिजली विभाग के आउटसोर्स कर्मचारी को लगा करंट

उज्जैन। रविवार को बिजली विभाग के आउटसोर्स कर्मचारी को खेड़ापति जोन क्षेत्र में जम्बर बदलते समय करंट लग गया। वह पोल से नीचे आ गिरा था, उसे चरक अस्पताल लाया गया, जहां से निजी अस्पताल ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि काम के दौरान पोल की लाइन बंद थी, लेकिन रिटर्न करंट आने से कर्मचारी के साथ घटना हुई है। फिलहाल मामले में चिमनगंज थाना पुलिस घायल के बयान दर्ज कर जांच कर रही है।

खडी ट्रेक्टर-ट्राली से भिड़ी बाइक, ग्रामीण घायल

उज्जैन। बड़नगर का रहने वाला राधेश्याम पिता ब्रजलाल 52 साल शनिवार रात ग्राम ढोलाना खेत से लौटते समय रास्ते में खड़ी ट्रेक्टर-ट्राली में पीछे से टकरा गया। हादसे में राधेश्याम गंभीर घायल हो गया। ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी। रात में परिजन बड़नगर अस्पताल से उज्जैन चरक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी हालत रविवार को भी गंभीर बनी हुई थी। घटनाक्रम की जानकारी मिलने पर बड़नगर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। पता लगाया जा रहा है कि ट्रेक्टर-ट्राली किसकी है और बीच रास्ते में बिना संकेतक क्यों खड़ी की थी। घायल के बयान दर्ज कर ट्रेक्टी-ट्राली चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जायेगा।

पारिवारिक विवाद में महिला ने खाया जहरीला पदार्थ

उज्जैन। देसाईनगर में रहने वाली साधना पति गौरव राठौर 36 साल ने रविवार को जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी हालत बिगड़ने पर परिजन चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने उपचार के लिये भर्ती किया और मामले की सूचना माधवनगर थाना पुलिस को दी। बताया जा रहा था कि पारिवारिक विवाद के चलते महिला ने आत्मघाती कदम उठाया है। पुलिस बयान के बाद मामला स्पष्ट हो पायेगा। फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में साधना का उपचार चल रहा है। जिसकी हालत खतरे से बाहर होना बताई गई है।

अवंतिपुरा और नलियाबाखल के 2 युवक लापता

उज्जैन। 18 सितंबर से नलियाबाखल और अंवतिपुरा में रहने वाले 40 साल के 2 युवक लापता है। दोनों के परिजनों ने पुलिस को अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण कर ले जाने की आशंका जताकर शिकायत दर्ज कराई है। जीवाजीगंज थाना पुलिस ने बताया कि अवंतिपुरा से याहया पिता फैज मोहम्मद के लापता होने पर अपहरण का प्रकरण दर्ज किया गया है। महाकाल पुलिस नलियाबाखल से सुभाष पिता प्रेमचंद मालवीय भी 2 दिनों से घर नहीं लौटा है। भाई संजय मालवीय का कहना था कि अज्ञात व्यक्ति ने सुभाष को गुप्त स्थान पर छुपाकर रखा है। दोनों थाना पुलिस के अनुसार युवकों की मोबाइल लोकेशन ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

24 घंटे में दिन के तापमानम में आई 4 डिग्री की तेजी

उज्जैन। शनिवार को 13 मि.मी. बारिश के बाद दिन के तापमान में गिरावट आई थी और 29 डिग्री दर्ज हुआ था। 24 घंटे बाद रविवार को अधिकतम तापमान 4 डिग्री की तेजी के साथ 33 डिग्री दर्ज किया गया। वेधशाला अधीक्षक डॉ. राजेन्द्र कुमार गुप्त के अनुसार रविवार को आसमान साफ होने पर तापमान में तेजी दर्ज की गई है। हवा 8 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रही है। शुक्रवार-शनिवार रात के मुकाबले शनिवार-रविवार रात न्यूनतम तापमान भी 1.2 डिग्री बढ़ा है। कुछ दिनों तक तापमान में उतार-चढ़ाव का क्रम बना रहेगा। लौटते मानसून की रूक-रूककर बारिश हो सकती है। वैसे इस बार पिछले साल की तुलना में बारिश कम हुई है। अब तक 27 इंच बारिश दर्ज हुई है। अब भी औसतन आंकड़े में 9 इंच की कमी बनी हुई है।

चोरी में फरार आरोपी चाकू के साथ पकड़ाया

उज्जैन। चोरी में फरार चल रहा आरोपी डेढ़ माह बाद चाकू के साथ पकड़ा गया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है। चोरी में उसके 3 साथी पूर्व में गिरफ्तार हो चुके थे। महिदपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि पिछले 20 दिनों से प्रतिदिन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है और संदिग्धों की धरपकड़ के साथ फरार आरोपियों तलाश की जा रही है। शनिवार रात चैकिंग के दौरान चौरवास मार्ग से चाकू के साथ नागेश्वर उर्फ कालू पिता बसंत बंजारा निवासी ग्राम टांडा को पकड़ा गया। थाने लाने पर उसका अपराधिक रिकार्ड खंगाला गया तो पता चला कि 7 अगस्त को ट्रांसपोर्ट नगर में हुई एल्यूमीनियम तार चोरी में गिरफ्तार किये गये विनोद, जितेन्द्र और समीर के साथ शामिल था। नागेश्वर की तलाश डेढ़ माह से थी। उसके साथियों से 90 हजार कीमत का विद्युत तार बरामद किया था। थाना प्रभारी ने बताया कि चाकू के साथ पकड़ाने पर आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया और चोरी में फरार होने पर गिरफ्तारी कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से जेल भेजा गया है। बदमाश नागेश्वर के खिलाफ महिदपुर थाने में पहले भी 3 मामले दर्ज है।

2 3 8

योजना क्रियान्वयन में दो गांव कमेड, उंडासा माडल, कुल 20 गांवों में करेंगे अमल

सिंहस्थ के लिए ग्रामीण क्षेत्र में होम स्टे से मिलेगी मदद

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड इसकी तैयारी में लगा, ग्रामीणों को ट्रेनिंग देकर विकसित करेंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं की करोडों की अनुमानित संख्या के मान से घाट एवं प्रमुख मार्गों का चौडीकरण किया जा रहा है लेकिन उनके रूकने को लेकर चिंता का विषय अब भी यक्ष है। ऐसे में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अभी से होम स्टे को बढावा दिया जा रहा है। वर्तमान में मालवा अंचल के 22 गांवों में होम स्टे का संचालन हो रहा है।

सिंहस्थ-28 में करीब 40 करोड श्रद्धालुओं के आने का अनुमान प्रशासन लगा रहा है। ऐसे में साधु संतों के तंबुओं के साथ ही वर्तमान में संचालित एवं निमार्णाधीन होटल और शहर के गेस्ट हाउस, होम स्टे भी कम पडना तय है।

श्रद्धालुओं के ठहरने की कमी को देखते हुए मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने उज्जैन के ग्रामीण क्षेत्र में किराया आवास विकसित करने का काम शुरू किया है। शुरूआत में सिंहस्थ क्षेत्र के कमेड एवं उंडासा गांव को इसके लिए चूना गया है।

- **प्राकृतिक तकनीक एवं स्थानीय मटेरियल-** पर्यटन बोर्ड से जुडे सूत्रों का कहना है कि इन गांवों में प्राकृतिक तकनीक और स्थानीय मटेरियल से होमस्टे बनाए जा रहे हैं। योजना में प्रत्येक गांव में 6 से 12 होमस्टे बनाने का लक्ष्य है, बोर्ड का लक्ष्य शुरूआती स्थिति में उज्जैन में कम से कम 20 होम स्टे तैयार कर इसे उज्जैन से 100 किलोमीटर के दायरे तक फैलाने का है। तीर्थ यात्रियों के लिए होमस्टे, पार्किंग और अन्य सुविधाएं विकसित करना, ताकि 12 किलोमीटर के नजदीकी ग्रामीण बेल्ट में भी लोग अपने घरों को होमस्टे में बदल सकें।
- **ग्रामीणों को प्रशिक्षण-** शहर के 12किलोमीटर के ग्रामीण क्षेत्र तक प्राइवेट घरों को टूरिज्म बोर्ड के माध्यम से किराया आवास के रूप में रजिस्टर कर, ग्रामीणों को इसकी ट्रेनिंग देकर विकसित किया जा रहा है, ताकि सिंहस्थ 2028 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को ठहराने की व्यवस्था कायम की जा सके।

22 गांवों में होम स्टे संचालन

मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की रिपोर्ट में सामने आ रहा है कि वर्तमान में पूरे मालवा अंचल में 22 गांवों में होमस्टे का संचालन हो रहा है। आगर-मालवा उसी में शामिल है। ग्रामीण पर्यटन योजना के तहत होमस्टे निर्माण में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने वाले 10 जिलों में आगर का नाम है। इसके चलते आगर कलेक्टर को सम्मानित भी किया गया था। मालवा कल्चरल के तहत एमपीटीबी की वेबसाईड पर भी ग्रामीण होम स्टे देखे जा सकते हैं।

एलएम कॉम्पलेक्स में रातभर घूमता रहा बदमाश

चेहरा छुपाकर बदमाश ने तोड़े 10 कार्यालयों के ताले

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

एलएम कॉम्पलेक्स में शनिवार-रविवार रात बदमाश घूमता रहा और वहां बने कार्यालयों के ताले तोड़कर कीमती सामान पर हाथ साफ करता रहा। सुबह कॉम्पलेक्स का चैनल खुलने से पहले वह फरार हो गया। अब पुलिस जांच-पड़ताल में लगी है।

माधवनगर थाना क्षेत्र के व्यस्तम कॉम्पेलक्स एलएम में रविवार सुबह चोरी की वारदात होना सामने आया। पुलिस जांच के लिये पहुंची तो प्रथम मंजिल से चौथी मंजिल तक करीब 10 कार्यालयों के ताले टूटे पाये गये। चोरी की जानकारी लगने पर कॉम्पलेक्स में कार्यालय संचालित करने वाले रविवार का अवकाश होने के बाद भी पहुंच गये थे। इस दौरान सामने आया कि रात में बदमाशों ने गोयल एंड कंपनी के कार्यालय, संजय अग्रवाल के कार्यालय और अतुल नीमा के कार्यालय से हजारों रुपए की नगदी चोरी की है। चोरों ने कॉम्पेलक्स में संचालित होने वाली गुरू बृहस्पति सहकारी साख संस्था के साथ सिद्धार्थ ट्रांसपोर्ट, कोचिंग सेंटर, इंवेस्टमेंट कंपनी, श्रीनिधी फायनेंस कंपनी और अन्य कार्यालयों के ताले भी तोड़े थे। लेकिन वहां से कुछ खास सामान चोरी नहीं कर सके। जिस तरह से कॉम्पलेक्स में चोरी होना सामने आया है उससे लगा रहा था कि चोर रातभर प्रथम से चौथी मंजिल तक घूमता रहा। माधवनगर थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया के अनुसार मामले चोरी करने वालों का पता लगाया जा रहा है। कॉम्पलेक्स के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी देखे जा रहे है। जल्द चोरी करने वालों का पता लगा लिया जायेगा।

रात पौने 3 बजे दिखा एक बदमाश- पुलिस ने कॉम्पलेक्स में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे। रात पौने 3 बजे के लगभग एक बदमाश दिखाई दिया। जिसने चेहरा छुपा रखा था। उसे पता था कि कैमरे लगे है, जिसके चलते पहले से वह योजनाबद्ध तरीके से आया था। पुलिस ने उसके अन्य साथियों का पता लगाने का प्रयास किया लेकिन पूरे कॉम्पलेक्स में एक ही बदमाश की गतिविधियां दिखाई दी। जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि सभी वारदातों में एक ही बदमाश शामिल था।

तीन बैंक लेकिन चौकीदार नहीं

कॉम्पलेक्स में तीन बैंक भी संचालित होती है। लेकिन चौकीदार होना सामने नहीं आया है। रात में 11 बजे कॉम्पलेक्स बंद होता है और सुबह 8 बजे खुलाता है। बदमाश ने बैंक का रूख नहीं किया। उसने सिर्फ कार्यालयों को निशाना बनाया। आशंका यह भी जताई गई है चोरी को रैकी के बाद अंजाम दिया गया है। काम्पलेक्स में आने जाने के दो रास्ते है। बदमाश ने रैकी के बाद अंदर धावा बोला था।

ऑनलाइन खरीदी करना पड़ गया भारी

साइबर ठगों ने महिला खाते से निकले एक लाख रुपए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

साइबर ठगी करने वाले कोई मौका नहीं छोड़ रहे है, आये दिन लोगों के साथ धोखाधड़ी होना सामने आ रहा है। एक माह पहले हुई ऑनलाइन खरीदी करते समय महिला के साथ हुई 1 लाख की ठगी के मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

खाराकुआ थाना क्षेत्र के जहाज गली में रहने वाली चंचल पति पुनीत वाधवनी के साथ 15 अगस्त को ऑनलाइन 1 लाख रुपए की ठगी होने की शिकायत साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर हुई थी। हेल्पलाइन से राशि का ट्रांजेक्शन जिस खाते में होना पाया गया था उसकी जानकारी सामने आने पर खाराकुआ थाना पुलिस ने चंचल वाधवानी के बयान दर्ज कर मामले में अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है। महिला के अनुसार उसकी शादी अहमदाबाद में हुई है। जहाजगली में मायका है, 15 अगस्त को गूगल पर ऑनलाइन खरीदी के लिये मीशो की साइड सर्च कर रही थी, तभी लिंक आई उसने खोलने का प्रयास किया लिंक ब्लॉक हो गई। उसके बाद खाते से 1 लाख का ट्रांजेक्शन हुआ। पुलिस के अनुसार जिस खाते में रूपयों का ट्रांजेक्शन हुां है उसका पता लगाकर गिरफ्तारी के प्रयास किये जायेगें।

मोबाइल चोरी की शंका में चाकूबाजी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शराब पीकर लौट रहे दोस्तों के बीच मोबाइल चोरी की शंका में चाकूबाजी हो गई। 2 युवक घायल हुये है। जिनकी हालत गंभीर होने पर चरक अस्पताल से डॉक्टरों ने इंदौर रैफर कर दिया था।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के बापूनगर में शनिवार-रविवार रात 12 बजे चाकूबाजी की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची थी। यश पिता विजय राठौर निवासी तिलकेश्वर कालोनी और भोला पिता मदनलाल निवासी भैरूनाला घायल थे। दोनों को चरक अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनके बयान दर्ज करने पर सामने आया कि दुर्भल उर्फ रोहित और गोलू खटीक ने साथियों के साथ मिलकर चाकू मारे है। दुर्लभ का मोबाइल गायब हो गया था उसने यश पर चोरी की शंका जताई, जिसके चलते विवाद हो गया था। उसने यश पर हमला किया बीच-बचाव में भोला को भी चाकू मार दिये। बताया जा रहा है कि घायल और आरोपी आपस में दोस्त है रात में बेगमबाग में रहने वाले दोस्त के बेटे के जन्मदिन में गये थे, जहां से सभी आगररोड शराब दुकान पर नशा करने पहुंचे थे लौटते समय उनके बीच विवाद हुआ है। पुलिस ने दुर्लभ और गोलू के साथ 3-4 अन्य युवकों को हिरासत में लिया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

रास्ते में एक युवक से की मारपीट- बताया जा रहा है कि शराब पीकर लौटते समय सभी दोस्तों ने पास आपस में हुई चाकूबाजी से पहले रेती मंडी के पास राजीव नगर में रहने वाले नवीन पिता महेन्द्र को पैदल घर लौटते समय रोक लिया था और उसके साथ बेवजह मारपीट की थी। नवीन ने 8-10 युवकों द्वारा की गई मारपीट के बाद भागकर जान बचाई थी और डायल 112 पर कॉल किया था। पुलिस रेती मंडी मकोडियाआम पहुंचती सभी युवक भाग निकले थे। पुलिस ने नवीन की शिकायत पर भी मामला विवेचना में लिया है।

तेजादशमी: आज 4 मार्गो पर बदलेगी यातायात व्यवस्था

चेरिटेबल तेजाजी मंदिर यहां यातायात डायवर्ट

चेरिटेबल तेजाजी मंदिर के आसपास सोलंकी रेस्टोरेंट निकास चौराहा, काजीपुरा और जाट धर्मशाला से यातायात डायवर्ट किया जाएगा। यहां सबसे अधिक संख्या में श्रद्धालु छत्री निशान लेकर पहुंचते है और मन्नत पूरी होने पर तेजाजी महाराज का चढ़ाते है। जाट धर्मशाला से निकास चौराहा की ओर जाने वाले वाहनों को सोलंकी रेस्टोरेंट की ओर डायवर्ट किया जाएगा। वहीं निकास चौराहा से जाट धर्मशाला-अंकपात मार्ग की ओर जाने वाले यातायात को निकास चौराहा से बियाबानी की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

पंवासा तेजाजी मंदिर

मक्सी रोड स्थित पंवासा तेजाजी मंदिर पर आयोजन के दौरान मंदिर के सामने मुख्य सड़क पर पुलिस बल तैनात कर यातायात को व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाएगा। यहां भी व्यवस्था के अनुसार यातायात को बदला जा सकता है। यातायात पुलिस ने श्रद्धालु से निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने और डायवर्सन व्यवस्था का पालन कर यातायात व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

आज शहर में तेजादशमी का पर्व मनाया जायेगा। शहर के चार प्रमुख स्थानों पर तेजाजी महाराज के मंदिरों पर आस्था उमड़ेगी। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को अव्यवस्था का सामान ना करना पड़े इसको लेकर चार मार्गो पर यातायात व्यवस्था को डायवर्ट किया गया है।

तेजादशमी पर ग्रामीण क्षेत्रों के साथ शहरवासी छत्री निशान लेकर तेजाजी महाराज के मंदिरों तक पहुंचते है। शहर में पहला तेजाजी महाराज का मंदिर आगररोड पर है। यहां मेला आयोजित किया जाता है। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा-व्यवस्था को देखते हुये यातायात पुलिस ने मकोड़िया आम से आगरनाका मार्ग पर वाहनों के डायवर्सन का प्लान जारी किया है। इस मार्ग पर यातायात को एक ही मार्ग से संचालित किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर आगरनाका चौराहे से भारी वाहनों का डायवर्सन किया जाएगा।

गउघाट तेजाजी मंदिर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित- क्षिप्रा नदी के तट गऊघाट पर तेजाजी मंदिर का दूसरा मंदिर बना हुआ है। यहां आज जंतर-मंतर से गऊघाट की ओर यातायात पूरी तरह से प्रतिबंधित रखा गया है। वाहनों की पार्किंग जंतर-मंतर के सामने कराई जाएगी। अधिक संख्या में वाहन आने पर ज्ञान ग्लोबल स्कूल के सामने तथा हरिफाटक ब्रिज के नीचे कचरा घर क्षेत्र में भी पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

महाकाल मंदिर पहुंच मार्ग के चौराहे तक अव्यवस्था का आलम

हाट पाईंट पर ई-रिक्शा और ऑटो का जाम

होटल सहित अन्य व्यवसायी परेशान, पार्किंग तक नहीं पहुंच पा रहे श्रद्धालुओं के वाहन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

एक बार फिर महाकाल क्षेत्र में यातायात पुलिस की सुस्ती का बेजा उपयोग सामने आ रहा है। हरिफाटक ब्रिज से लेकर महाकाल चौराहा एवं गुदरी तक बेरिकेडस हटने के बाद हाट पाईंट पर ई-रिक्शा एवं आटो वालों ने सडक पर ही जमना शुरू कर दिया है। इससे पहले से सकरी सडक और सकरी हो रही है। क्षेत्रीय होटल व्यवसायी एवं अन्य व्यवसायियों की समस्या इससे सुरसा की तरह बढ गई है। ई-रिक्शा एवं आटो वालों को हटने का बोलने पर विवाद की स्थितियां निर्मित हो रही है।

शहर में महाकाल क्षेत्र यातायात की दृष्टि से हाट पाईंट बना हुआ है।शहर में चलने वाले ई-रिक्शा एवं आटो का अधिकतम आवागमन इसी क्षेत्र में होता है। पर्यटकों के बढने से ये वाहन महाकाल क्षेत्र में सवारी को उतारकर वहीं से वापसी सवारी लेने के लिए वहीं जम जाते हैं जिसके कारण से क्षेत्र में समयबद्ध रूप से ई-रिक्शा एवं आटो की संख्या सुबह एवं शाम के समय जाम के हालात पैदा कर रही है। इस दौरान अगर यातायात पुलिस इन्हें एक ही स्थान पर खडे रहने और सवारियों के इंतजार की बजाय चलायमान रखे तो राहत की स्थिति बन सकती है।

व्यवसाईयों की परेशानी बढी- ई-रिक्शा हों चाहे आटो इनके महाकाल क्षेत्र में पहुंचने वाले सभी मार्ग पर एक जैसे जाम के हालात बने हुए हैं। लोहे का पूल से लेकर महाकाल चौराहा हो या फिर हरिफाटक ब्रिज से महाकाल चौराहा हो सभी पर इन वाहनों के खडे रहने से जाम के हालात बने रहते हैं। खास तो यह है कि ये क्षेत्र में खुली होटलों एवं अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के सामने खडे रहते हैं जिससे व्यवसायी को परेशानी हो रही है। जिन होटल संचालकों ने पर्यटक के वाहनों के लिए अपनी पार्किंग की व्यवस्था की है उनके सामने इनके खडे रहने से भी वाहनों की पार्किंग में परेशानी की स्थिति बनी रहती है।

विवाद पर आमादा

व्यवसायियों का कहना है कि कतिपय ई-रिक्शा चालक एवं आटो चालक तो दुकानों के सामने ही अपने वाहन रखते हैं। ऐसे में आगंतुक पर्यटकों के वाहनों को पार्किंग करवाने में भी समस्या होती है और इन्हें अगर हटने का कहा जाता है तो विवाद पर आमादा हो जाते हैं। पूर्व में यातायात पुलिस के जवान के साथ भी अभद्रता जैसे मामले चौराहे के नजदीक ही हो चुके हैं। ऐसे में चौराहा एवं इस क्षेत्र के लिए यातायात विभाग की पेट्रोलिंग टीम लगाई जाना चाहिए जो कि इस पूरे क्षेत्र में बराबर भ्रमण करते हुए एक स्थान पर खडे रहने वाले ई-रिक्शा एवं आटो पर कार्रवाई करे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com